सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746
वर्ष-01 अंक-189 • संपादक आलोक तिवारी • दुर्ग, मंगलवार 28 जुलाई 2026 • पृष्ठ 08 • मूल्य -2 रुपए

सु-विचार
" सौ रास्तों पर एक कदम चलने से बेहतर है
एक ही रास्ते पर सौ कदम आगे बढ़ जाना...!! "
अज्ञात...

मैं हूँ बीजापुर टाइगर... भाग्यशाली हूँ या दुर्भाग्यशाली?, एक बाघ की दास्तान, उसकी अपनी जुबानी

अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर एक कैद बाघ का दर्द

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मैं अभी युवा बाघ हूँ। नाम मेरा "बीजापुर टाइगर" रख दिया गया है। 29 जुलाई अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस है, उससे एक दिन पहले मैं अपनी कहानी खुद सुनाना चाहता हूँ। आप ही बताइए, मैं भाग्यशाली हूँ या दुर्भाग्यशाली?

फंदे में फंसी जिंदगी

मार्च 2025 की बात है, तारीख मुझे याद नहीं। मैं छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर के बीजापुर के घने जंगलों में मस्त घूम रहा था। उसी जंगल में शिकारियों ने लोहे के तार का फंदा बिछा रखा था। मेरे पीछे के दोनों पैर उसमें फंस गए। जख्म गहरा होता गया। मवाद और कीड़े पड़ गए। दर्द इतना कि चीख भी न निकलती थी।

कुछ दिन बाद एक शिकारी भाला लेकर मुझे मारने आया। अपनी जान बचाने के लिए मैं उस पर झपटा और वह वहीं ढेर हो गया। ग्रामीणों ने वन विभाग को बताया कि जंगल में एक घायल बाघ है। कुछ अधिकारियों ने आरोपों से बचने के लिए कह दिया कि "शायद पत्थरों के बीच पैर फंस गए होंगे"।

खैर, मुझे रेस्क्यू किया गया और 16 अप्रैल 2025 को रायपुर के जंगल सफारी में लाया गया। 30 जुलाई को मेरी सर्जरी हुई। मुझे सबसे अलग रखा गया। सिर्फ केयर टेकर आता है ताकि मैं इंसानों का आदी न हो जाऊँ। धीरे-धीरे घाव भरा, जीने की उम्मीद जगी।

रिपोर्ट आई, उम्मीद जगी, फिर टूट गई

नवंबर तक मैं लगभग ठीक हो गया। चार डॉक्टर आए। जांच के बाद रिपोर्ट बनी। केयर टेकर से लेकर मैंने खुद पढ़ी। उसमें लिखा था - "बाघ स्वस्थ है, सर्जरी का चीरा भर गया है, बाल आ गए हैं। ऑपरेशन वाले पैर पर पूरा भार डाल सकता है, दौड़ सकता है। केवल कभी-कभी हल्की लंगड़ाहट है, जो समय के साथ ठीक हो जाएगी।"

डॉक्टर आपस में कह रहे थे कि पहले मुझे बड़े बाड़े में "सॉफ्ट रिलीज" के लिए रखा जाएगा। वहां शिकार और जंगल में रहने की क्षमता परखी जाएगी, फिर मुझे जंगल में छोड़ दिया जाएगा।

उस दिन मैं खुशी से उछल पड़ा। लगा अब आजाद हो जाऊँगा। केयर टेकर ने कहा "बड़े साहब के आदेश का इंतजार है"। हर आहट पर लगता आदेश आ गया, पर आदेश नहीं आया।

फाइलों में उलझा मेरा भविष्य

केयर टेकर ने बताया साहब लोग "इको-टूरिज्म, विकास और रोजगार" में व्यस्त हैं। मैंने खाली समय में वन्यजीव संरक्षण अधिनियम पढ़ा। उसमें इको-टूरिज्म जैसा एक भी शब्द नहीं था।

दो महीने बाद साहबों को याद आया कि यहां एक टाइगर भी है। फरवरी 2026 में देहरादून के

हक्क को पत्र लिखा गया कि "डॉक्टरों ने सुझाव दिया है कि रिलीज से पहले विशेषज्ञ जांच करें"। मैंने अपनी रिपोर्ट 10 बार पढ़ी। उसमें ऐसा कोई सुझाव नहीं था। समझ नहीं आया डॉक्टरों के नाम पर यह बात कहां से जोड़ दी गई।

वन्यजीव प्रेमियों ने भी चिट्ठी लिखी। न रिमाइंडर गया, न विशेषज्ञ आए। महीने बीतते गए। फिर कहा गया मुझे "सॉफ्ट रिलीज बाड़े" में रखा जाए। जवाब आया - ऐसा बाड़ा सिर्फ अचानकमार में है, वहां जगह नहीं है। नया बाड़ा बनाने की कोई तैयारी नहीं।

जून में नए साहब आए। 24 जून को फिर हक्क को पत्र गया। अगले ही दिन सलाह आ गई कि "4 विशेषज्ञों की समिति बना दो"। जो विभाग 3 महीने तक चुप था, उसने एक दिन में सलाह कैसे दे दी, यह आज भी रहस्य है। समिति बनी, पर आज तक मुझसे मिलने नहीं आई। 2 दिन पहले वीडियो कॉन्फ्रेंस हुई। केयर टेकर कह रहा था "छोड़ने की संभावना नकारात्मक है"।

सबसे बड़ा सवाल

इधर अखबारों में पढ़ा कि साहब लोग पड़ोसी राज्य से तीन बाघ लाने की तैयारी कर रहे हैं। मेरा दिल बैठ गया। अपने घर के बाघ को तो आजाद नहीं कर रहे, बाहर से तीन लाने की बात हो रही है।

विशेषज्ञ कहते हैं, बाघ जितने दिन इंसानी संपर्क में रहता है, उसके जंगल में लौटने की संभावना उतनी कम होती है। मुझे फंदे में फंसे 15 महीने हो गए। स्वस्थ घोषित हुए 7 महीने हो गए। मैं कैद में जिंदा हूँ। उसी बीजापुर और आसपास में पिछले कुछ महीनों में 4-5 बाघों का शिकार हो चुका है। केयर टेकर बताता है वहां अब सिर्फ एक बाघ बचा है। अगर मैं जंगल में होता तो शायद मेरा भी शिकार हो गया होता।

अब आप ही बताइए... मैं यहां कैद में भाग्यशाली हूँ या दुर्भाग्यशाली?

नोटः इस लेख में वर्णित घटनाएँ वास्तविक हैं तथा तथ्य उपलब्ध अभिलेखों पर आधारित हैं।

लेखन एवं संकलनः नितिन सिंघवी

त्वरित टिप्पणी

जंतर-मंतर से संसद तक 'Gen-Z' का चक्रव्यूह : क्या चरमराया है 'ब्रांड मोदी'?

आलोक तिवारी/ नईदिल्ली

पिछले 25 सालों में भारतीय राजनीति का एक ही फॉर्मूला चला है - एक चेहरा, एक ब्रांड, एक नैरेटिव। 2001 में गुजरात से शुरू हुआ यह सफर 2014 में दिल्ली तक पहुंचा और "अजेय" की मुहर लगा गया। नोटबंदी, जीएसटी, कोविड, चुनावी हार-जीत... हर आंधी में यह ब्रांड बच निकला। 83% सरकारी प्रचार, ढटड केंद्रित हर उद्घाटन, "परीक्षा पे चर्चा" से "पहली बार वोटर" तक की रणनीति ने इसे इम्यून बना दिया था। लेकिन जंतर-मंतर पर 6 दिन में जो हुआ, उसने इस तिलस्म में पहली दरार डाल दी है।

दरअसल यह दरार विपक्ष ने नहीं, Gen-Z ने डाली है। वह विपक्ष जो 2024 के बाद EVM, SIR और संस्थाओं के आगे हथियार डाल चुका था। राहुल, ममता, अखिलेश, पवार - सब नारे और हंगामे तक सिमट गए। संसद में धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे पर NDA का "पाग" वाला शक्ति प्रदर्शन और प्रह्लाद जोशी की तैनाती यही बता रही थी कि सत्ता को डर किस बात का है।

डर उस युवा का है जिसके पास न जमीन है, न केस, न डराने लायक अतीत। ED-CBI का भय उस "इरफान" पर नहीं चलेगा जो झुग्गी में बैठकर नीरज और फराज सुनाता है। FIR, पैलेट गन, इंस्टा अकाउंट ब्लॉक और बिहार में AK-47 वाली तस्वीरें - ये सब इसी बेबसी की निशानी हैं। जब वादे तोड़े गए तो छात्रों की चेतावनी सीधी थी - "मंगलवार तक FIR वापस नहीं हुई तो फिर सड़क पर मिलेंगे।"

Gen-Z की सबसे बड़ी ताकत यही है। उसके पास खोने को कुछ नहीं, पाने को पूरा भविष्य है। इसलिए वह चुनावी गणित से बाहर की लड़ाई लड़ रहा है। एथेनॉल-20 पर हाईकोर्ट जाना हो या जंतर-मंतर पर 6 दिन में नैरेटिव तोड़ देना - यह राजनीति नहीं, अस्तित्व की लड़ाई है।

सवाल अब यह नहीं है कि भाजपा 240 से कैसे 300 पहुंचेगी। सवाल यह है कि क्या 25 साल में बना "ब्रांड" अब सड़क की सच्चाई से टकराने को तैयार है? क्योंकि सत्ता अब संसद के भाषणों से नहीं, जंतर-मंतर की गूंज से तय होगी और इस बार चक्रव्यूह रचने वाले अभिमन्यु नहीं हैं। ये Gen-Z है - जिसे चक्रव्यूह तोड़ना आता है।

संसद में हंगामा : अमित शाह के इस्तीफे की मांग, हंगामे के बीच 'एंटी-पेपर लीक बिल' पेश

दोनों सदनों की कार्यवाही दिनभर बाधित, विपक्ष का नियम 267 पर अड़ंगा

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली

संसद के मानसून सत्र में छात्रों पर लाठीचार्ज और FIR के मुद्दे को लेकर सोमवार को जमकर हंगामा हुआ। विपक्ष ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर संसद परिसर में प्रदर्शन किया। हंगामे और बार-बार के स्थगन के बीच सरकार ने लोकसभा में कड़ा 'एंटी-पेपर लीक संशोधन विधेयक 2026' पेश कर दिया।

लोकसभा : शोर के बीच बिल पेश, 6 घंटे की चर्चा की अपील खारिज

सुबह 11 बजे कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ओम बिरला ने कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड जीतने पर मीराबाई चानू को बधाई दी। लेकिन विपक्ष ने मणिपुर में राष्ट्रपति शासन और छात्रों पर कार्रवाई का मुद्दा उठाकर नारेबाजी शुरू कर दी।

दोपहर में भारी शोर के बीच केंद्रीय राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन बिल 2026' पटल पर रखा। स्पीकर और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने विपक्ष से 6 घंटे चर्चा की अपील की, लेकिन राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और अखिलेश यादव के नेतृत्व में विपक्षी सांसद वेल में आकर "अमित शाह इस्तीफा दो" के नारे लगाते रहे। ओम बिरला ने कहा, "हम 6 घंटे से भी ज्यादा समय देने को तैयार हैं। नारेबाजी और तख्तियां लहराने से विधेयक पर विचार नहीं होता।"

गलियारे में 'स्ट्रीट फाइटर' वाला बयान : संसद के गलियारे में भी बयानबाजी तेज रही। शिक्षा मंत्री पद से इस्तीफे के बाद पहली बार संसद पहुंचे धर्मेंद्र प्रधान का ठउ्‌ा सांसदों ने मकर द्वार पर पाग पहनाकर स्वागत किया। सूत्रों के अनुसार जयराम रमेश के "It happens" कहने पर प्रधान बोले, "Nothing happened... I am a street fighter, not an AC room activist."

नेताओं के तीखे बयान

प्रियंका गांधी: "प्रोटेस्ट करने वाले छात्रों और उनके परिवारों को फोन करके धमकाया जा रहा है। क्या इस देश में लड़कियां अपने हक के लिए आवाज भी नहीं उठा सकतीं?"

कंगना रनौत: "शिक्षा सुधार के लिए इतना महत्वपूर्ण बिल आ रहा है, विपक्ष चर्चा से भाग रहा है। यह खिसियानी बिल्ली खंभा नोचे वाली राजनीति है।"

अखिलेश यादव: "नीट और पेपर लीक से बच्चों की जान जा रही है। सरकार ने कहा था मुकदमे नहीं लगेंगे, लेकिन सोशल मीडिया पर लिखने से छात्रों के घर पुलिस भेजी जा रही है।"

राज्यसभा : नियम 267 पर अड़ा विपक्ष

राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने नियम 267 के तहत छात्रों पर लाठीचार्ज और पेपर लीक पर तुरंत चर्चा की मांग की। अनुमति न मिलने पर विपक्ष ने नारेबाजी की। 5 मिनट में ही सदन स्थगित करना पड़ा।

CJP की चेतावनी: FIR वापस नहीं ली तो फिर आंदोलन : जंतर-मंतर आंदोलन की अगुवाई कर रही CJP ने कहा कि सरकार समझौते का उल्लंघन कर रही है। प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा, "FIR वापस नहीं हुई तो आंदोलन फिर शुरू होगा।" बिहार के सिवान में प्रदर्शन के दौरान AK-47 से फायरिंग के मामले में एक जवान निलंबित भी किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा - "शांतिपूर्ण प्रदर्शन नागरिकों का अधिकार है।"

राज्यों में भी प्रदर्शनः ABVP ने पंजाब, झारखंड, केरल और कर्नाटक में भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी को लेकर संबंधित राज्यों के शिक्षा मंत्रियों के इस्तीफे की मांग की।

अन्य सुर्खियां

नितिन गडकरी ने डीपफेक वीडियो के खिलाफ बॉम्बे हाईकोर्ट में याचिका दायर की। कोर्ट ने मेटा, और गूगल के खिलाफ कार्रवाई की अनुमति दी।

मीराबाई चानू ने कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में 48kg वर्ग में 190kg उठाकर भारत को पहला गोल्ड दिलाया। भारत के नाम अब तक 5 पदक।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और स्पीकर की विपक्ष से बैठक के बाद अगले दिन बिल पर चर्चा शुरू होने की संभावना है।

क्या है नया 'एंटी-पेपर लीक बिल 2026'

हंगामे के बीच पेश बिल में सरकार ने सजा को और कड़ा किया है :

कड़ी सजाः सजा 3-5 साल से बढ़ाकर 5 से 10 साल जेल और 50 लाख तक जुर्माना।

संगठित गिरोहः गिरोह द्वारा पेपर लीक पर 7 से 10 साल जेल और 1 करोड़ तक जुर्माना।

टाइम-बाउंड ट्रायलः जांच 2 महीने में, चार्जशीट के 3 महीने में ट्रायल पूरा। डेली सुनवाई का प्रावधान।

15 अपराध शामिलः OMR शीट से छेड़छाड़, फर्जी एडमिट कार्ड, नकली वेबसाइट चलाना आदि।

हाई-टेक टास्क फोर्सः पीएम मोदी ने नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता में टास्क फोर्स बनाई। इसमें पूर्व इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ और पूर्व IB डायरेक्टर भी शामिल हैं।

रसोइया निकला चोरी का मास्टरमाइंड 6 घंटे में 70 लाख की चोरी का खुलासा

नागपुर से 2 आरोपी गिरफ्तार, पूरी मशरूका बरामद

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

अशोका आईकन मोवा में घरेलू रसोइया बनकर काम करने वाले युवक ने ही 70 लाख रुपये की चोरी की साजिश रची। पुलिस ने घटना के 6 घंटे के भीतर आरोपी और उसके साथी को नागपुर रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर चोरी का पूरा सामान बरामद कर लिया।

प्रार्थी पंकज अग्रवाल ने थाना पंडरी में रिपोर्ट दर्ज कराई कि 26 जुलाई को परिवार के साथ नया रायपुर गए थे। घर पर रसोइया महेन्द्र कुमार यादव 22 वर्ष निवासी बांका, बिहार अकेला था। शाम को लौटने पर घर का पिछला गेट खुला मिला और अलमारी व लॉकर से नगदी, सोने-चांदी के जेवर, गिन्नी, सिक्के और दस्तावेज गायब थे।

पुलिस उपायुक्त क्राइम एवं साइबर स्मृतिक राजनाला और डीसीपी उत्तर श्रीमती दीपमाला कश्यप के निर्देशन में एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना पंडरी की संयुक्त टीम ने जांच शुरू की। सीसीटीवी फुटेज में रसोइया महेन्द्र बैग लेकर घर से निकलते और उसके साथ एक अन्य युवक दिखा।

तकनीकी जांच और फुटेज विश्लेषण से पता चला कि दोनों समता

एक्सप्रेस से नागपुर भागे हैं। आरपीएफ नागपुर से समन्वय कर टीम ने महेन्द्र यादव और उसके साथी पिंटू यादव उर्फ अभिषेक यादव 25 वर्ष निवासी बांका, हाल आमासिवनी को नागपुर स्टेशन से पकड़ लिया।

पूछताछ में महेन्द्र ने बताया कि प्रार्थी के घर से बाहर होने की जानकारी लेकर उसने साथी के साथ योजना बनाकर चोरी की। वारदात के बाद दोनों बाइक से घड़ी चौक पहुंचे, वहां बाइक खड़ी कर टैक्सी से रेलवे स्टेशन गए। पुलिस ने आरोपियों से 51.50 लाख रुपये नगद, सोने-चांदी के जेवर, गिन्नी, सिक्के, पेन ड्राइव, दस्तावेज सहित कुल लगभग 70 लाख रुपये का माल और घटना में प्रयुक्त 2 मोबाइल जब्त किए। आरोपियों के खिलाफ थाना पंडरी में अपराध क्रमांक 212/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

भिलाई टाइम्स के 5.62 लाख फॉलोअर्स वाले पेज पर साइबर हमला

फर्जी कॉपीराइट स्ट्राइक भेजकर ब्लैकमेल, Zomato गिफ्ट कार्ड और क्रिप्टो में मांगी फिरौती, एफआईआर दर्ज

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

छत्तीसगढ़ के सबसे बड़े डिजिटल मीडिया प्लेटफॉर्म 'भिलाई टाइम्स' के साथ बड़ा साइबर अपराध सामने आया है। इंस्टाग्राम पर फर्जी कॉपीराइट स्ट्राइक भेजकर 5.62 लाख फॉलोअर्स वाले मुख्य पेज को डिसेबल करवा दिया गया। अब नए पेज पर भी लगातार स्ट्राइक भेजकर ब्लैकमेलिंग और फिरौती मांगी जा रही है। मामले में सुपेला थाना में एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

कैसे उड़ाया गया 5.62 लाख फॉलोअर्स वाला पेज

भिलाई टाइम्स के फाउंडर पत्रकार यशवंत साहू ने बताया कि पिछले 1-2 महीने में मेटा की ओर से बिना किसी स्पष्ट कारण या ईमेल के मुख्य पेज को सस्पेंड कर दिया गया। हेल्पडेस्क से कोई मदद नहीं मिली। रात-रात भर जागकर विदेशी टाइमजोन में मेटा कस्टमर केयर से संपर्क किया गया, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मुख्य पेज जाने के बाद टीम ने 'द भिलाई टाइम्स' नाम से नया पेज बनाया। पिछले 3 दिनों में इस 33 हजार फॉलोअर्स वाले नए पेज पर भी बैक-टू-बैक 13 फर्जी कॉपीराइट स्ट्राइक मार दी गईं।

"हम डरेंगे नहीं, अभियान चलाएंगे"

भिलाई टाइम्स के फाउंडर यशवंत साहू ने कहा, "हमने चांदी की चम्मच लेकर यह पेज नहीं पाया। ग्राउंड पर रिपोर्टिंग कर, वेटर से फोन पकड़वाकर वीडियो बनाए हैं। आप एक पेज उड़ाओगे, हम दूसरा खड़ा करेंगे। लेकिन इस साइबर गुंडागर्दी के खिलाफ अब पूरे देश के क्रिएटर्स के साथ मिलकर बड़ा अभियान चलाएंगे।"

गिफ्ट कार्ड व क्रिप्टो में मांगी फिरौती

स्कैमर ने भिलाई टाइम्स द्वारा खुद शूट और एडिट किए गए ओरिजिनल कंटेंट पर ही फर्जी दावे ठोक दिए। चैट में लिखा गया - "If you want to retract, pay me and move on, or we will remove your page." पेज बचाने के एवज में Zomato Gift Card या क्रिप्टोकरेंसी के जरिए 10,000 रुपये की मांग की गई। ब्लैकमेलिंग के लिए +380 यानी यूक्रेन के नंबर और जापानी-चाइनीज भाषा की फेक ईमेल आईडी का इस्तेमाल किया गया। लेकिन बातचीत में हिंदी बोलने से यह आशंका है कि हैकर स्थानीय है।

सबसे गंभीर बात यह कि हैकर ने दावा किया - "I am getting paid for this" यानी उसे भिलाई टाइम्स समेत 3 पेजों को उड़ाने की सुपारी मिली है। इससे प्रतिस्पर्धी की साजिश का भी शक जताया जा रहा है।

मेटा के सिस्टम पर उठे सवाल

भिलाई टाइम्स के फाउंडर यशवंत साहू और भिलाई टाइम्स की सीईओ शिल्पी घोष साहू ने कहा कि मेटा का सिस्टम पूरी तरह लचर है। कोई भी फर्जी व्यक्ति ओरिजिनल कंटेंट पर क्लेम ठोक देता है और बिना वेरिफिकेशन के इंस्टाग्राम पेज ब्लॉक कर देता है। भारत में मेटा का कोई ग्रीवांस दफ्तर या जिम्मेदार प्रतिनिधि तक नहीं है।

पुलिस एक्शन मोड में

दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर सुपेला थाना और साइबर सेल को सभी चैट, स्क्रीनशॉट, ईमेल और व्हाट्सएप नंबर सौंप दिए गए हैं। पुलिस ने FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्लासगो में गूंजा संस्कारधानी का जयघोष, राजनांदगांव की ज्ञानेश्वरी यादव ने जीता रजत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव-ग्लासगो

कॉमनवेल्थ गेम्स में संस्कारधानी राजनांदगांव की बेटी ज्ञानेश्वरी यादव ने देश का नाम रोशन कर दिया। 53 किलोग्राम भार वर्ग स्पर्धा में उन्होंने 88 किलोग्राम स्नैच और 111 किलोग्राम क्लीन एंड जर्क सहित कुल 199 किलोग्राम भार उठाकर रजत पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि के साथ ग्लास्गो के मंच पर भारत का तिरंगा गर्व से लहराया। ज्ञानेश्वरी की इस ऐतिहासिक जीत से राजनांदगांव में खुशी की लहर है। खेल प्रेमियों और नागरिकों ने इसे पूरे जिले का गौरव बताया। छत्तीसगढ़ वेटलिफ्टिंग संघ के अध्यक्ष विजय बघेल और सचिव राजेश जंघेल ने बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश के खेल इतिहास में नया अध्याय है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश्वरी ने साबित कर दिया कि मेहनत और अनुशासन से छोटे शहर की बेटियां भी विश्व मंच पर देश का मान बढ़ा सकती हैं।

स्टेट सब जूनियर फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप में कोरबा के प्रभमन व रायपुर की सावी बनी विजेता

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रभमन, देवांश,अहिलान,विवान, सावी, इशिका, परिधि, कासवी राष्ट्रीय स्पर्धा में छत्तीसगढ़ का करेंगे प्रतिनिधित्व

आल इंडिया चेस फेडरेशन के मार्गदर्शन एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के निर्देशन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से जिला शतरंज संघ दुर्ग द्वारा दिनांक 24 से 26 जुलाई तक जैन भवन सेक्टर 6 भिलाई में आयोजित छत्तीसगढ़ स्टेट सब जूनियर फीडे रेटेड चेस चैंपियनशिप में कोरबा के प्रभमन सिंग मल्होत्रा 6 हजार रूपए एवं विजेता ट्रॉफी एवं बालिका वर्ग में रायपुर की सावी गौरी 6 हजार रुपए नगद एवं विजेता ट्रॉफी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए राज्य के विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। मुख्य अतिथि जैन मिलन ट्रस्ट भिलाई के अध्यक्ष मुकेश जैन, कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा विशिष्ट अतिथि समाजसेवी कन्हैया सोनी,जिला खेल अधिकारी एक्का,भारत की प्रथम नेशनल सब जूनियर शतरंज चेम्पियन रह चुकी श्रीमती गार्गी दास, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी सुश्री किरण अग्रवाल,प्रदीप दास, अंतर्राष्ट्रीय आर्बिटर अनीस अंसारी,रमेश अग्रवाल ने विजेता खिलाड़ियों को नगद राशि,ट्रॉफी, मोमेंटो एवं भाग लेने वाले समस्त प्रतिभागियों को मेडल देकर सम्मानित किया।

जिला शतरंज संघ दुर्ग के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत सचिव तुलसी सोनी एवं फीडे आर्बिटर अनिल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि राज्य के 19 जिलों के कुल 142 खिलाड़ियों के बीच 8 चक्रों की बाजी खेली गई। सब जूनियर ओपन वर्ग में द्वितीय स्थान पर देवांश जैन / रायपुर/ तृतीय अहिलान रॉय चतुर्थ विवान रॉय पांचवा अक्ष चोपड़ा छठवां निर्भीष प्रधान एवं बालिका वर्ग में द्वितीय इशिका मड़के तृतीय परिधि लिलहरे चतुर्थ कासवी जैन पांचवा हितांशी मुदलियार छठवां स्थान निशिता त्रिपाठी ने प्राप्त किया।

बालक एवं बालिका वर्ग में शीर्ष 4 खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप के लिए किया गया है ये चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय सब जूनियर शतरंज चैंपियनशिप में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगे। इसके अलावा अंडर–7 बालक वर्ग में प्रथम अयांश फुलहर द्वितीय जेरेमिया जॉन बालिका वर्ग में प्रथम श्रीनिका रेड्डी,तनिष्का शिल्पी अंडर 9 बालक वर्ग में प्रथम मो जिदाम द्वितीय विहान जैन बालिका वर्ग में प्रथम अनिका गुप्ता द्वितीय आन्या सिंह अंडर 11 बालक वर्ग में प्रथम वीं विराट अय्यर द्वितीय तारिणी मोक्ष बालिका वर्ग में प्रथम अनिका रेड्डी द्वितीय स्वरा बोरखडे सभी को मोमेंटो प्रदान किया गया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि मुकेश जैन ने विजेता एवं भाग लेने वाले खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय स्पर्धा में अच्छे प्रदर्शन करने की शुभकामनाएं दी। समाजसेवी कैलाश जैन बरमेचा ने भी आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि आयोजन के माध्यम से ही प्रतिभाएं निखरकर सामने आती है। भूतपूर्व राष्ट्रीय सब जूनियर शतरंज चेम्पियन श्रीमती गार्गी दास ने अपने अनुभव को साझा करते हुए खिलाड़ियों से कड़ी मेहनत कर छत्तीसगढ़ का नाम रोशन करने की अपील की।

अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी विक्रम अवॉर्डी सुश्री किरण अग्रवाल ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ में शतरंज के लगातार आयोजन हो रहे हैं लेकिन अब तक इंटरनेशनल मास्टर एवं ग्रैंड मास्टर जैसे खिलाड़ी यहां नहीं है इसके लिए कड़ी मेहनत,लगन और आत्मविश्वास से प्रयास किया जाए तो यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। समाज सेवी कन्हैया सोनी ने शानदार आयोजन के लिए संघ की सराहना करते हुए आगे सहयोग प्रदान करने का वादा किया। जिला खेल अधिकारी एक्का ने आयोजन को उच्च स्तरीय बताते हुए राज्य भर से आए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। प्रदीप दास ने प्रदेश शतरंज संघ द्वारा छत्तीसगढ़ में शतरंज के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

स्पर्धा के मुख्य निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर अनीस अंसारी एवं सहायक निर्णायक इंटरनेशनल आर्बिटर शुभम बर्सोने, इंटरनेशनल आर्बिटर राँकी देवांगन, तथा अनिल शर्मा ,ओमप्रकाश बंदे,सुरेश होता,ममता देवांगन, दिव्यांशु उपाध्याय ने स्पर्धा को सफलता पूर्वक संपन्न करने में विशेष भूमिका अदा किया। अतिथियों का स्वागत अनिल शर्मा, सुरेंद्र बछेवार,दिनेश जैन, श्रीमती माण्डले, इम्तियाज अली ने किया। कार्यक्रम का संचालन जिला शतरंज संघ दुर्ग के सचिव तुलसी सोनी एवं आभार प्रदर्शन संघ के अध्यक्ष ईश्वर सिंह राजपूत ने किया।

खास खबर

छात्राओं को स्कूल पहुंचने में अब नहीं होगी देरी, शहीद भगत सिंह विद्यालय की छात्राओं को किया गया सायकल का वितरण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय अनुदान प्राप्त शहीद भगत सिंह रा.उ.मा. विद्यालय, तितुरडीह में शासन द्वारा संचालित सरस्वती सायकिल योजना अंतर्गत कक्षा 9 वीं की छात्राओं को सायकल वितरण किया गया। यह सायकल जिला शिक्षण समिति के शाला संचालन समिति अध्यक्ष विरेन्द्र शुक्ला एवं विद्यालय के प्राचार्य सीपी अग्रवाल के संयुक्त प्रयास से वितरित किया गया।

इस अवसर पर शाला संचालन समिति अध्यक्ष विरेन्द्र शुक्ला ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह सायकल छात्राओं के लिए उपयोगी होगा। छात्राओं को स्कूल आने जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। अब वे समय पर स्कूल पहुंच पाएंगे। कार्यक्रम का संचालन एसएन हरमुख ने किया। सायकल वितरण के दौरान स्कूल के शिक्षक-शिक्षिका के अलावा विद्यार्थी बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

जिला साहू संघ की मासिक : 9 अगस्त को वार्षिक आमसभा व 6 दिसंबर होगा को युवक-युवती परिचय सम्मेलन

दुर्ग। जिला साहू संघ दुर्ग की मासिक बैठक केलाबाड़ी स्थित जिला कार्यालय साहू सदन में जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों एवं आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई तथा कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि वर्ष 2026-27 की वार्षिक आमसभा का आयोजन 9 अगस्त 2026 को किया जाएगा। वहीं, युवक-युवती परिचय सम्मेलन 6 दिसंबर 2026 को आयोजित करने पर सहमति बनी। इसके अलावा समाज के युवाओं के व्यक्तित्व एवं कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण कार्यशालाओं का आयोजन समय-समय पर जारी रखने पर भी जोर दिया गया।

बैठक में समाज द्वारा संचालित निःशुल्क कोचिंग योजना के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 अगस्त तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया। पदाधिकारियों ने सामाजिक बंधुओं से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इस योजना से जोड़ने तथा इसका व्यापक प्रचार-प्रसार करने की अपील की। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से इस वर्ष समाज की ओर से वृक्षारोपण अभियान शुरू करने का भी निर्णय लिया गया। इसके तहत 2 अगस्त 2026 को प्रातः 9 बजे जिला साहू संघ भवन, जयंती नगर, दुर्ग में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

बैठक में जिलाध्यक्ष नंदलाल साहू, महासचिव राकेश साहू, सलाहकार रमेश साहू, उपाध्यक्ष कृष्णा प्रसाद साहू एवं यतीश साहू ने संगठन को और अधिक सक्रिय एवं मजबूत बनाने के संबंध में अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर डॉ. भारती साहू, अंकेक्षक लाल सिंह साहू, छात्रावास अधीक्षक सुनील साहू, संगठन सचिव देहुती साहू, महिला प्रकोष्ठ संयोजिका ललेश्वरी साहू, न्याय प्रकोष्ठ के जे.पी. साहू, अधिवक्ता प्रकोष्ठ संयोजक देवेंद्र कुमार साहू, व्यापारी प्रकोष्ठ के धनंजय साहू, प्रचार सचिव कुलदीप साहू, धमधा तहसील अध्यक्ष अमर दास, ग्रामीण कार्यकारी अध्यक्ष खिलावन साहू, उमाशंकर साहू, महेंद्र साहू, संतोष साहू, सुमंत साहू, अश्वनी साहू, पी.आर. सार्वा, बलराम साहू, जीवन साहू, कृष्ण कुमार साहू, शत्रुघ्न साहू, सेवक साहू, अशोक साहू, नेहरू साहू, गंगादीन साहू, राजूलाल साहू, योगराम साहू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सामाजिक बंधु उपस्थित रहे। बैठक की जानकारी जिला सह मीडिया प्रभारी पोषण साहू ने दी।

कारगिल विजय दिवस पर विधायक ललित चंद्राकर ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ विधायक ने सुनी 'मन की बात'

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने वीर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने स्टेशन मरोदा स्थित बी.आर.पी. कॉलोनी, वार्ड क्रमांक 16 के बूथ क्रमांक 227 में बूथ कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना।

इस अवसर पर विधायक ललित चंद्राकर ने कहा कि प्रधानमंत्री का 'मन की बात' कार्यक्रम केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, प्रेरणा और नवचेतना का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम राष्ट्रजीवन के विभिन्न आयामों से लोगों को परिचित कराते हुए सकारात्मक सोच, सद्भावना और नई सीख प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले कई महीनों से प्रधानमंत्री अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ का उल्लेख कर रहे हैं। बस्तर ओलंपिक, बस्तर पंडुम और मल्हार में मिले ताम्रपट जैसी उपलब्धियों का जिक्र देशभर के सामने करना प्रदेश के लिए गौरव की बात है।

विधायक चंद्राकर ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री ने 'कैच द रेन' अभियान के तहत कोरबा का उल्लेख किया, जिसके लिए प्रदेशवासी उनके आभारी हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आगामी गणेशोत्सव में प्रदेश और अपने गांव की मिट्टी से बनी भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करने तथा स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का आह्वान किया है। स्वदेशी को अपनाने का यह संकल्प आत्मनिर्भर भारत के निर्माण को और अधिक मजबूती देगा।

कार्यक्रम में मरोदा पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, मंडल उपाध्यक्ष एवं बूथ प्रभारी नवीन ममता सिन्हा, मंडल उपाध्यक्ष राजूराम, इंदु साहू, संतोष कुशवाहा, रोहित साहू, दिलीप सोनी, यशवंत कुमार, विक्की नायक, दुबे दास साहू, सुशीला साहू, लीला साहू, राधा साहू, सोनिया मंडावी, दानेश्वरी मंडावी, पुष्पांजलि महाराणा, पुष्पा, सस्मिता महाराणा, टिकेश्वरी, सरिता, पावती, सुमन पाल, लीला ठाकुर एवं केजई बाई देवांगन सहित बड़ी संख्या में बूथ कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जाति प्रमाण पत्र मिलने से खुला शिक्षा और रोजगार का रास्ता

दुर्ग। शासन की महत्वकांक्षी पहल सेवा सेतु से जरूरतमंदों को प्रमाण पत्र बनाने की राह आसान कर दी है। दुर्ग निवासी सुश्री हिरामन पिता स्वर्गीय राम बगस आर्थिक रूप से साधारण परिवार से है। सुश्री हिरामन को आगे की पढ़ाई और रोजगार के लिए अन्य पिछड़ा वर्ग का जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता थी। लंबे समय से प्रमाण पत्र नहीं होने के कारण उन्हें कई दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। पिता की मृत्यु के बाद घर की पूरी जिम्मेदारी उनके कंधों पर आ गई। कई बार कार्यालयों के चक्कर लगाने के बावजूद प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी के अभाव में उनका कार्य पूरा नहीं हो पा रहा था। इसी दौरान उन्हें सेवा सेतु के बारे में जानकारी मिली। उन्होंने जाति प्रमाण पत्र के लिए आवेदन किया। आवेदन के बाद सेवा सेतु प्रबंधक ने आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर आवेदन की पूरी प्रक्रिया में मार्गदर्शन और समन्वय किया। संबंधित विभाग द्वारा आवेदन का परीक्षण कर 30 जून 2026 को उनका ओबीसी जाति प्रमाण पत्र अनुमोदित कर जारी कर दिया गया। जाति प्रमाण पत्र प्राप्त होने के बाद सुश्री हिरामन ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहती है कि अब उन्हें आवश्यक दस्तावेज बनवाने तथा भविष्य में अपने परिवार के शैक्षणिक एवं अन्य सरकारी कार्यों में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होगी। अब स्वयं के जाति प्रमाण पत्र के आधार पर अपने भाई-बहनों का भी जाति प्रमाण पत्र बना पाउंगी। उन्होंने सेवा सेतु की त्वरित, पारदर्शी और जनहितैषी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

दुर्ग पुलिस का विशेष चेकिंग अभियान, अवैध शराब जब्त

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर रविवार सुबह 4 बजे से 8 बजे तक दुर्ग जिले के भिलाई नगर एवं छावनी अनुभाग के थाना खुर्सीपार और जामुल क्षेत्र में विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) शोभराज अग्रवाल के पर्यवेक्षण में संचालित इस अभियान में विभिन्न शाखाओं के कुल 50 अधिकारी एवं कमर्चारी शामिल रहे। अभियान के दौरान अवैध शराब जब्त की गई, वारंटियों की धरपकड़ की गई तथा संवेदनशील क्षेत्रों में सघन सत्यापन और जांच अभियान चलाया गया।

पुलिस ने थाना खुर्सीपार क्षेत्र की देवार बस्ती में सघन तलाशी के दौरान एक व्यक्ति के कब्जे से 34 पौवा अवैध शराब बरामद की। आरोपी के विरुद्ध छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई।

अभियान के दौरान थाना खुर्सीपार पुलिस ने 2 स्थायी वारंट और 2 गिरफ्तारी वारंट तामील किए। वहीं एक गिरफ्तारी वारंटी की मृत्यु हो जाने पर नियमानुसार उसका मृत्यु प्रमाण-पत्र प्राप्त कर आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई। दूसरी ओर थाना जामुल क्षेत्र के नालंदा परिसर के पीछे स्थित अटल आवास में निवासरत लोगों का सत्यापन किया गया तथा संदिग्ध व्यक्तियों की जांच के साथ 3 गिरफ्तारी वारंटों का सफलतापूर्वक तामील किया गया।

पुलिस ने अभियान के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों और आपराधिक गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखी तथा नागरिकों से किसी भी संदिग्ध गतिविधि, अवैध शराब के कारोबार या वारंटियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि जिले में अपराध नियंत्रण और कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के लिए इस तरह के विशेष अभियान आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

संत रविदास की 650वीं जयंती पर भाजपा की तैयारियां हुई तेज

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संत शिरोमणि रविदास महाराज की आगामी 650वीं जयंती एवं 10 से 15 अगस्त तक प्रस्तावित तिरंगा यात्रा की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण कार्यशाला रविवार को जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित की गई। कार्यशाला में प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय मुख्य अतिथि रहे, जबकि अध्यक्षता जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने की।

कार्यशाला में कैबिनेट मंत्री गजेंद्र यादव, भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं दुर्ग संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक ईश्वर साहू, प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, तेलघानी विकास बोर्ड के अध्यक्ष जितेंद्र साहू, महापौर अलका बाघमार, जिला महामंत्री दिलीप साहू एवं विनोद अरोरा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय ने कहा कि संत रविदास का जीवन सामाजिक समरसता, समानता, श्रम की प्रतिष्ठा और बंधुत्व का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वाराणसी में संत रविदास का भव्य स्मारक तैयार हो रहा है। इसी क्रम में भाजपा की विशेष टीम 27 जुलाई को वाराणसी से कलश में पवित्र माटी एवं जल लेकर छत्तीसगढ़ आएगी, जिसे प्रदेश के प्रमुख मंदिरों और देव स्थलों तक पहुंचाया जाएगा। इस दौरान धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर संत रविदास के विचारों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जयंती वर्ष के दौरान प्रदेशभर में

सामाजिक समरसता यात्राएं, विचार गोष्ठियां, स्वच्छता अभियान, सेवा कार्य, निबंध, चित्रकला एवं विचार-विमर्श प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। साथ ही 10 से 15 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी तथा बूथ स्तर तक हर घर पर तिरंगा फहराने का अभियान चलाया जाएगा।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी जगन्नाथ पाणिग्रही ने कहा कि यह अभियान केवल आयोजन नहीं, बल्कि संत रविदास के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। कार्यकर्ताओं को इसकी जिम्मेदारी सौंपते हुए सभी कार्यक्रमों के सफल संचालन की रणनीति तैयार की गई। प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जिला संगठन प्रभारी नंदन जैन ने बताया कि 25 से 27 जुलाई तक प्रदेश के सभी जिलों में कायशालाएं आयोजित की जा रही हैं। वाराणसी से लाई जाने वाली पवित्र माटी एवं जल को योजनाबद्ध तरीके से प्रदेश के प्रमुख देव स्थलों तक पहुंचाया जाएगा।

जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि संत रविदास की 650वीं जयंती के अवसर पर प्रदेशभर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने और जिला एवं मंडल स्तर पर गठित टीमों के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को प्रभावी बनाने का आह्वान किया। कार्यशाला में भाजपा के जिला एवं मंडल पदाधिकारियों, विभिन्न मोर्चों और प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामों से उठ रही सौहार्द, संवाद और सामाजिक समरसता की नई अलख : पति-पत्नी की प्रेरणादायी सहभागिता बनी आकर्षण का केंद्र

कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण में प्रतिभागियों का उत्साह बना प्रेरणा का स्रोत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 25 जुलाई 2026 से 29 जुलाई 2026 तक आयोजित पांच दिवसीय कम्यूनिटी मीडियेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हो रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे प्रतिभागियों द्वारा अभूतपूर्व उत्साह, सीखने की जिज्ञासा एवं सामाजिक परिवर्तन के प्रति समर्पण इस अभिनव पहल की सार्थकता को सुदृढ़ कर रहे हैं।

उद्घाटन समारोह में उपस्थित सम्मानित मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा यह अवलोकन किया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा "वाद-मुक्त ग्रामीण भारत" के निर्माण के संकल्प के साथ जिले के पाँच चयनित ग्राम—घुघसीडीह, ननकट्टी, अरसनारा, निकुम एवं कुथरेल—से चयनित कम्यूनिटी मीडियेटर्स को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। मीडिया प्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों की सक्रिय सहभागिता, संवादात्मक शिक्षण पद्धति एवं ग्राम स्तर पर शांति, सामाजिक समरसता एवं वाद-मुक्त ग्रामीण भारत के निर्माण के प्रति उनके सकारात्मक दृष्टिकोण को भी निकटता से देखा एवं सराहा।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्राम पंचायत निकुम से माधव प्रसाद देशमुख, भागवत राम पटेल एवं श्रीमती मंजुषा मेश्राम, ग्राम पंचायत घुघसीडीह से मोहन सोनी, गोवर्धन बारले एवं श्रीमती ललिता बारले; ग्राम पंचायत कुथरेल से श्रीमती गीता गजपाल एवं डॉ. लोकनाथ साहू; ग्राम पंचायत अरसनारा से श्रीमती राधा निषाद एवं बरातूराम निषाद तथा ग्राम पंचायत ननकट्टी से रवि साहू एवं बुद्धि सागर वर्मा सक्रिय सहभागिता कर रहे हैं। इन्हें Potential Trainers द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की एक अत्यंत प्रेरणादायी एवं उल्लेखनीय विशेषता यह भी है कि ग्राम पंचायत घुघसीडीह से गोवर्धन बारले एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती ललिता बारले पति-पत्नी के रूप में इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता कर रहे हैं। अपनी पारिवारिक एवं सांसारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए दोनों ने कम्यूनिटी मीडियेशन के माध्यम से समाज सेवा के इस शुभ अवसर के महत्व को आत्मसात किया है।

प्रशिक्षण के दौरान दोनों एक-दूसरे का सहयोग एवं ध्यान रखते हुए अत्यंत उत्साह एवं समर्पण के साथ सहभागिता निभा रहे हैं। उनकी यह सहभागिता न केवल पारिवारिक सामंजस्य एवं आपसी सम्मान का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि यह संदेश भी देती है कि जब परिवार संवाद एवं सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तब वह समाज में सकारात्मक परिवर्तन का वाहक बन सकता है। उनकी प्रेरणादायी उपस्थिति कम्यूनिटी मीडियेशन की मूल भावना "संवाद, सहमति और सौहार्द" को साकार रूप प्रदान करती है तथा समाज के लिए एक अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत करती है।

दुर्ग जिला चिकित्सलय नाम बड़े दर्शन छोटे, डाक्टरों की कमी दूर करने कोई पहल नहीं

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

संभागीय मुख्यालय दुर्ग का 500 बिस्तरों वाला जिला चिकित्सालय नाम बड़े दर्शन छोटे वाली कहावत को अक्षरशः चरितार्थ कर रहा है। यहां अत्याधुनिक मशीनों का तो टोटा बना ही हुआ है डाक्टरों की भी भारी कमी है। प्रतिदिन यहां जिले से डेढ़ से दो हजार मरीज पहुंचते हैं।

ओपीडी में लंबी लाइने लगती है लेकिन डाक्टर खोजे नहीं मिलते। नतीजतन निराश मरीजों को निजी अस्पतालों की ओर रूख करना पड़ता है। यहां भर्ती सैकड़ों मरीजों को जूनियर डाक्टरों के भरोसे छोड़ दिया गया है। उत्साशय का आरोप लगाते हुए कांग्रेस के पूर्व पार्षदों देवकुमार जंघेल, अब्दुल गनी, लिखन साहू, अमृत लोढ़ा, संजय सिंह, भोला महोबिया, मनोज चंद्राकर, मनीष यादव, डॉ. छत्रसाल गायकवाड, राजकुमार वर्मा, युवराज ठाकुर आदि ने एक विज्ञप्ति में कहा है उन्होंने जिला अस्पताल का भ्रमण कर समस्याओं का जायजा लिया और मरीजों से चर्चा की तो पता चला कि अस्पताल में डाक्टरों की भारी कमी है।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के कई पद लंबे समय से खाली है। जिसकी वजह से गंभीर मरीजों को अन्यत्र रेफर किया जाता है। ऐसा लगता है कि यह अस्पताल रेफर सेंटर बनकर रह गया है। बताया जाता है कि जिला अस्पताल में डाक्टर आना ही नहीं चाहते क्योंकि उन्हें जितना वेतन मिलता है उससे कई गुना वे निजी प्रैक्टिस से कमा लेते हैं। डाक्टरों की कमी दूर करने राज्य सरकार को लगातार रिमाइंडर भेजे जा रहे हैं लेकिन सरकार के कानों में जूं भी नहीं रेंग रही है।

गांवों के समग्र विकास से ही विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प होगा साकार : मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री साय ने जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए विकास के स्पष्ट मंत्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

ग्राम पंचायतों को केवल योजनाओं के क्रियान्वयन की इकाई नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन, आर्थिक समृद्धि और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के केंद्र के रूप में विकसित करना होगा। यदि ग्राम पंचायतें सशक्त हों, गांव आत्मनिर्भर बनें और प्रत्येक ग्रामीण विकास की प्रक्रिया का सहभागी बने, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का संकल्प वास्तविक रूप ले सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने नवा रायपुर स्थित एसआईआरडी परिसर, निमोरा में आयोजित प्रदेश के सभी जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक एवं कार्यशाला को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सुशासन का वास्तविक अर्थ यही है कि शासन की योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के अंतिम व्यक्ति तक

पहुंचे। ग्राम पंचायतें जनभागीदारी के माध्यम से आत्मनिर्भर गांव बनाने का सबसे प्रभावी मंच हैं। अधिकारियों को संवेदनशीलता, ईमानदारी और सेवा भाव के साथ कार्य करते हुए ग्रामीणों का विश्वास जीतना होगा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि शासकीय योजनाओं की वास्तविक सफलता तभी मानी जाएगी, जब उनका लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और गांव का प्रत्येक नागरिक स्वयं विकास यात्रा का सक्रिय भागीदार बने। उन्होंने प्रत्येक जिले में ऐसे गांवों की पहचान करने के निर्देश दिए, जहां जनभागीदारी, स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग और प्रभावी योजना के माध्यम से आदर्श विकास मॉडल विकसित किए जा सकें।

विकसित भारत जी राम जी योजना से ग्रामीण विकास को मिलेगी नई गति : मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि 1 जुलाई से लागू विकसित भारत जी राम जी योजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि योजना के माध्यम से रोजगार सृजन के साथ-साथ स्थायी परिसंपत्तियों और गुणवत्तापूर्ण अधोसंरचना का निर्माण प्राथमिकता से किया जाए। इसके माध्यम से जल संरक्षण, कृषि, ग्रामीण अधोसंरचना, आजीविका और सामुदायिक परिसंपत्तियों के निर्माण को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा।

जल संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर प्रबंधन बने प्राथमिकता : मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण विकास केवल भवन निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए। जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य, कृषि उत्पादकता, पशुपालन, मत्स्य पालन तथा स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों का वैज्ञानिक उपयोग ही स्थायी विकास का आधार है। उन्होंने प्रत्येक जिले में स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप जल संरक्षण की कार्ययोजना तैयार करने तथा वर्षा जल संचयन एवं भूजल संवर्धन को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

10.40 लाख से अधिक महिलाएं बनीं लखपति दीदी, अब लक्ष्य करोड़पति दीदी : मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को नई दिशा मिली है। छत्तीसगढ़ में अब तक 10 लाख 40 हजार से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। अब सरकार उन्हें उद्यमिता, कौशल विकास और स्वरोजगार से जोड़कर बड़ी संख्या में करोड़पति दीदी बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

बैठक में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, अपर मुख्य सचिव श्रीमती ऋचा शर्मा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के सचिव भीम सिंह, संचालक श्रीमती प्रियंका ऋषि महोबिया, सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अमरजीत सिन्हा, प्रदेश के सभी जिलों के जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

खास खबर

आयुष्मान भुगतान नहीं होने से लौटाए जा रहे मरीज : कांग्रेस

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

सुशील शुक्ला ने सरकार पर लगाया आर्थिक कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का आरोप

प्रदेश कांग्रेस ने आयुष्मान भारत योजना के तहत अस्पतालों का भुगतान नहीं होने के कारण मरीजों को बिना इलाज लौटाए जाने का आरोप लगाया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार के चलते प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हो गई है। सुशील शुक्ला ने कहा कि आयुष्मान योजना के तहत मरीजों को निःशुल्क इलाज देने वाले अस्पतालों का लंबे समय से भुगतान लंबित है। इसके कारण प्रदेश के कई छोटे-बड़े अस्पताल मरीजों का इलाज करने से हाथ खड़े कर रहे हैं। कुछ अस्पताल आधा भुगतान नगद लेने की शर्त पर ही उपचार कर रहे हैं।

"अस्पतालों में तालाबंदी जैसी स्थिति" : कांग्रेस नेता ने कहा कि छोटे और मझोले अस्पताल जो अधिकतर आयुष्मान कार्ड के भरोसे चलते थे, वहां अब तालाबंदी की स्थिति बन गई है। सरकारी अस्पतालों का भी भुगतान नहीं हुआ है, जिससे स्वास्थ्य सुविधा चरमरा गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि साय सरकार का फोकस केवल कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार पर है। इलाज के अभाव में जनता बेमौत मरने को मजबूर है।

कांग्रेस सरकार के काम गिनाए : सुशील शुक्ला ने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में स्वास्थ्य इंफ्रास्ट्रक्चर 2018 की तुलना में ढाई गुना बेहतर हुआ था। सभी जिला अस्पतालों को मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल बनाया गया। ब्लॉक स्तर पर भर्ती सुविधा, डायलिसिस और क्रिटिकल केयर यूनिट शुरू की गई। 125 लाख तक की मुख्यमंत्री विशेष स्वास्थ्य सहायता योजना चलाई गई। उन्होंने बताया कि कांग्रेस सरकार में 4000 से अधिक डॉक्टर, नर्स और तकनीशियनों की भर्ती की गई थी। साथ ही शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना, हाट बाजार क्लिनिक, मोहल्ला क्लिनिक, दाई दीदी क्लिनिक, हमर अस्पताल और हमर लैब भी शुरू किए गए थे। कांग्रेस ने मांग की है कि सरकार तत्काल आयुष्मान कार्ड का भुगतान कर मरीजों के इलाज की सुविधा बहाल करे।

छत्तीसगढ़ सदन में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक का आयोजन

जल जीवन मिशन 2.0 पर छत्तीसगढ़ के सांसदों के साथ मंथन

रायपुर। नई दिल्ली स्थित छत्तीसगढ़ सदन में सोमवार शाम जल जीवन मिशन (जे.जे.एम.) 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने की। इस दौरान छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री अरुण साव सहित राज्य के लोकसभा एवं राज्यसभा सांसद उपस्थित रहे। बैठक में सांसदों के संसदीय क्षेत्रों में जल जीवन मिशन की प्रगति, योजनाओं की वर्तमान स्थिति तथा आगामी कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई।

बैठक में छत्तीसगढ़ के लोकसभा सांसद व केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, चिंतामणि महाराज, राधेश्याम राठिया, श्रीमती कमलेश जांगड़े, श्रीमती ज्योत्सना महंत, संतोष पांडेय, विजय बघेल, बृजमोहन अग्रवाल, श्रीमती रूपकुमारी चौधरी, महेश कश्यप और भोजराज नाग तथा राज्यसभा सांसद राजा देवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीमती लक्ष्मी वर्मा और श्रीमती फूलो देवी नेताम उपस्थित रहे। बैठक में जल जीवन मिशन 2.0 के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने, परियोजनाओं में तेजी लाने, गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा जनप्रतिनिधियों के सुझावों के आधार पर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया गया। सांसदों ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों से जुड़े सुझाव और आवश्यकताएं भी साझा की।

बैठक में मिशन के कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, समयबद्ध क्रियान्वयन तथा केंद्र और राज्य सरकार के समन्वय से योजनाओं को गति देने पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों ने जल जीवन मिशन 2.0 की प्रमुख विशेषताओं और क्रियान्वयन रणनीति की भी जानकारी प्रस्तुत की।

बैठक में सांसदों की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। जनप्रतिनिधियों से आग्रह किया गया कि वे जिला स्तरीय DIHSA की बैठकों में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं के समाधान में सहयोग करें। साथ ही, 'जल अर्पण' कार्यक्रमों में सहभागिता कर पूर्ण हो चुकी पेयजल योजनाओं के लोकार्पण तथा ग्राम पंचायतों को उनके हस्तांतरण को प्रोत्साहित करें। जल जीवन मिशन के लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए राज्य एवं जिला प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने का भी आह्वान किया गया।

राष्ट्रपति भवन तक पहुँची बस्तर की गौरवगाथा राष्ट्रपति करेंगी बस्तर पंडुम के विजेताओं का सम्मान

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल करेगा राष्ट्रपति भवन में शिष्टाचार भेंट

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ की समृद्ध जनजातीय संस्कृति, लोकपरंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय पहचान दिलाने की दिशा में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि जुड़ने जा रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, पंरपरागत जनजातीय नेतृत्व व्यवस्था के प्रतिनिधियों, पद्मश्री सम्मानित विभूतियों तथा जनप्रतिनिधियों का 209 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल आगामी 30 जुलाई को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट करेगा।

उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने बस्तर पंडुम-2026 के विजेता प्रतिभागियों, परगना मांझी, मांझी, चालकी तथा पद्मश्री सम्मानित विभूतियों के सम्मान में विशेष भोज का आयोजन भी किया है। प्रतिनिधिमंडल राष्ट्रपति भवन का भ्रमण करेगा तथा नई दिल्ली के प्रमुख राष्ट्रीय स्थलों का अवलोकन भी करेगा। यह अवसर बस्तर की जनजातीय संस्कृति, पंरपरागत नेतृत्व व्यवस्था और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक विरासत को देश के सर्वोच्च संवैधानिक मंच पर मिल रहे सम्मान का ऐतिहासिक प्रतीक होगा।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि हमारी सरकार जनजातीय समाज की गौरवशाली विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ उसे राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर के कलाकारों और परंपरागत जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति पूरे प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। यह सम्मान बस्तर की संस्कृति, परंपरा और जनजातीय समाज के प्रति पूरे देश के सम्मान का प्रतीक है।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि बस्तर पंडुम-2026 ने यह सिद्ध कर दिया है कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय संस्कृति और लोकपरंपराएं राष्ट्रीय ही नहीं, वैश्विक स्तर पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने कहा कि यह महोत्सव जनजातीय ज्ञान परंपरा, लोकजीवन, पारंपरिक नेतृत्व व्यवस्था और सांस्कृतिक अस्मिता के संरक्षण का सशक्त अभियान बन चुका है। राष्ट्रपति भवन में बस्तर पंडुम के विजेता प्रतिभागियों एवं जनजातीय प्रतिनिधियों का सम्मान पूरे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक स्वाभिमान का सम्मान है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में संस्कृति विभाग द्वारा जनजातीय विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों का परिणाम है कि बस्तर पंडुम आज केवल छत्तीसगढ़ का नहीं, बल्कि देश के सबसे महत्वपूर्ण जनजातीय सांस्कृतिक आयोजनों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर चुका है। लोककलाओं को मंच उपलब्ध कराने, कलाकारों को सम्मान दिलाने, जनजातीय ज्ञान परंपरा का दस्तावेजीकरण करने तथा नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में इस महोत्सव ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 में पहली बार आयोजित बस्तर पंडुम ने विश्व के सबसे बड़े जनजातीय सांस्कृतिक महोत्सव के रूप में गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में स्थान प्राप्त कर छत्तीसगढ़ को वैश्विक पहचान दिलाई थी। इस उपलब्धि के बाद वर्ष 2026 में महोत्सव का दायरा और अधिक व्यापक किया गया। पहले जहां सात विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होती थीं, वहीं इस वर्ष इन्हें बढ़ाकर 12 विधाओं तक विस्तारित किया गया। बस्तर संभाग के सात जिलों के 32 विकासखंडों से 54 हजार 750 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लेकर अपनी लोककला, परंपरा और सांस्कृतिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। 10 जनवरी से 9 फरवरी 2026 तक आयोजित महोत्सव में जनपद, जिला एवं संभाग स्तर पर प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जनजातीय नृत्य, लोकगीत, नाट्य, वाद्ययंत्र, वेशभूषा, आभूषण, शिल्प, चित्रकला, पारंपरिक पेय, पारंपरिक व्यंजन, आंचलिक साहित्य तथा वन-औषधि सहित 12 विधाओं के माध्यम से बस्तर की सांस्कृतिक विविधता का भव्य प्रदर्शन किया गया।

जगदलपुर में आयोजित संभाग स्तरीय समारोह का उद्घाटन राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने किया, जबकि समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय महत्व प्रदान किया। महोत्सव में जनजातीय शिल्प, हस्तशिल्प, वन-औषधियों, पारंपरिक आभूषणों और लोक व्यंजनों की प्रदर्शनी ने बड़ी संख्या में आगंतुकों को आकर्षित किया। इससे स्थानीय कलाकारों, शिल्पकारों, स्व-सहायता समूहों एवं ग्रामीण उद्यमियों को आर्थिक अवसर भी प्राप्त हुए। महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और मध्यप्रदेश के कलाकारों की सहभागिता ने बस्तर पंडुम को राष्ट्रीय सांस्कृतिक संगम का स्वरूप प्रदान किया।

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु के आमंत्रण पर राष्ट्रपति भवन तक पहुंचने जा रही बस्तर की यह गौरवगाथा न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक शक्ति और जनजातीय गौरव का प्रतीक है, बल्कि भारत की समृद्ध जनजातीय विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई प्रतिष्ठा दिलाने की दिशा में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर भी है।

रेल सुरक्षा में बड़ी सफलता : SECR में 'कवच' का SIL-4 ट्रायल सफल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारतीय रेलवे की स्वदेशी अत्याधुनिक ट्रेन सुरक्षा प्रणाली 'कवच' ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। नागपुर रेल मंडल के कलमना-सालवा (25 किलोमीटर) रेलखंड पर SIL-4 स्तर का ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया गया। इस दौरान ऑटोमैटिक ब्रेकिंग, गति नियंत्रण, सिग्नल पहचान और आपातकालीन रडर जैसी सभी सुरक्षा सुविधाओं का सफल परीक्षण किया गया।

रेलवे अधिकारियों के अनुसार, यह ट्रायल 23 जुलाई को दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक ब्रेकिंग मोड ऑन में किया गया। परीक्षण के दौरान कवच प्रणाली ने सभी सुरक्षा मानकों पर संतोषजनक प्रदर्शन किया।

लाल सिग्नल पर खुद लगेंगे ब्रेक : कवच प्रणाली की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि यदि लोको पायलट किसी कारणवश लाल सिग्नल पर समय रहते ब्रेक नहीं लगा पाता, तो सिस्टम स्वतः सिग्नल की पहचान कर ट्रेन में ऑटोमैटिक ब्रेकिंग सक्रिय कर देता है। इससे SPAD जैसी गंभीर दुर्घटनाओं की संभावना लगभग समाप्त हो जाती है।

तय सीमा से अधिक गति पर खुद करेगा नियंत्रण : ट्रायल के दौरान ऑटोमैटिक स्पीड कंट्रोल फीचर का भी सफल परीक्षण किया गया। यदि ट्रेन निर्धारित गति सीमा से अधिक चलती है और लोको पायलट समय पर गति नियंत्रित नहीं कर पाता, तो कवच प्रणाली स्वतः हस्तक्षेप कर ट्रेन की रफ्तार को सुरक्षित सीमा में ले आती है।

SOS अलर्ट से मिलेगी तत्काल सुरक्षा : कवच की आपातकालीन रडर सुविधा का परीक्षण भी सफल रहा। किसी भी आपात स्थिति में लोको पायलट या स्टेशन मास्टर तुरंत रडर अलर्ट जारी कर सकते हैं। यह संदेश आसपास के स्टेशनों और संबंधित ट्रेनों तक तुरंत पहुंचता है, जिससे आवश्यकता पड़ने पर ट्रेनों में स्वतः ब्रेकिंग शुरू हो जाती है और संभावित दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है।

अधिकारियों की मौजूदगी में हुआ परीक्षण : ट्रायल के दौरान लोको पायलट, सहायक लोको पायलट, लोको इंस्पेक्टर, उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (परियोजना) नागपुर तथा सहायक मंडल सिग्नल एवं दूरसंचार अभियंता (परियोजना) नागपुर सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय रेलवे द्वारा विकसित 'कवच' पूरी तरह स्वदेशी ट्रेन सुरक्षा प्रणाली है, जिसका उद्देश्य सिग्नल

कैरम स्पर्धा : अंतर-क्षेत्रीय शतरंज में रायपुर सेंट्रल और कोरबा वेस्ट बने चैंपियन

कैरम में भी CSPC के खिलाड़ियों ने दिखाया दम, 12 खिलाड़ी राष्ट्रीय के लिए चयनित

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज द्वारा आयोजित अंतर-क्षेत्रीय खेल प्रतियोगिता में रायपुर सेंट्रल और कोरबा वेस्ट ने बाजी मारी। शतरंज प्रतियोगिता के पुरुष टीम वर्ग में रायपुर सेंट्रल ने चैंपियन का खिताब जीता, वहीं दुर्ग रीजन उपविजेता रहा। महिला टीम वर्ग में कोरबा वेस्ट ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि रायपुर सेंट्रल दूसरे स्थान पर रहा।

कैरम में रायपुर और जगदलपुर का दबदबा

22 से 24 जुलाई तक जगदलपुर में हुई अंतर-क्षेत्रीय कैरम प्रतियोगिता में भी CSPC के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया।

महिला वर्ग एकल: रायपुर सेंट्रल की कंचन महेश ठाकुर विजेता, नमिता जैन उपविजेता रहे।

युगल: कंचन महेश ठाकुर और नमिता जैन की जोड़ी प्रथम, दुर्ग की शकुंतला कारक एवं अनीता रोही की जोड़ी उपविजेता रहे।

पुरुष वर्ग एकल: कोरबा वेस्ट के विनोद राठौर विजेता, जगदलपुर के कमलेश ठाकुर उपविजेता रहे।

टीम : जगदलपुर चैंपियन, दुर्ग उपविजेता 12 खिलाड़ी जाएंगे तिरुपति राष्ट्रीय में

प्रतियोगिता पर्यवेक्षक अधीक्षण अभियंता पंकज चौधरी ने बताया कि प्रदर्शन के आधार पर 12 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। महिला: कंचन महेश ठाकुर, नमिता जैन, शकुंतला कारक, रीना पुरी गोस्वामी, अनीता रोही, कविता ठक्कर रहे। पुरुष: विनोद राठौर, कमलेश ठाकुर, एस.के. मोदी, पी. नागेश्वर राव, शुभम बंचोरे, कमलेश साहू, सुशांत कटाकवार, सलीम खान रहे। ये सभी खिलाड़ी 4 से 6 अगस्त 2026 तक आंध्र प्रदेश के तिरुपति में आयोजित 48वीं ऑल इंडिया इलेक्ट्रिसिटी स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की राष्ट्रीय कैरम एवं शतरंज प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर कंपनीज का प्रतिनिधित्व करेंगे।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन

"वर्तमान भारत को डॉ. मुखर्जी का प्रदेय" विषय पर हुई चर्चा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राष्ट्रवाद के प्रणेता डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर प्रबुद्ध परिषद छत्तीसगढ़ एवं ग्रामोदय के संयुक्त तत्वाधान में रविवार 26 जुलाई को "वर्तमान भारत को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी का प्रदेय" विषय पर वैचारिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं डॉ. मुखर्जी के तैलचित्र पर माल्यार्पण से हुआ। प्रबुद्ध परिषद के अध्यक्ष अजय डांगे ने अतिथियों का स्वागत किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षाविद डॉ. हंसा शुक्ला ने की। विषय प्रवर्तन डॉ. ज्योति धारकर ने किया।

मुख्य वक्ता के रूप में शशांक शर्मा, अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी का नाम इतिहास में जानबूझकर विस्मृत किया गया। उन्होंने अपना परिवार त्यागकर देशसेवा को चुना और वीर सावरकर व डॉ. हेडगेवार से प्रेरणा ली।

श्री शर्मा ने बताया कि चितरंजन लोकोमोटिव, सिंदरी उर्वरक कारखाना, हिंदुस्तान एयरक्राफ्ट की स्थापना में उनका योगदान रहा। 1948 की पहली औद्योगिक नीति डॉ. मुखर्जी ने ही बनाई। उन्होंने श्रमिकों को कंपनी के लाभ का अंशधारक बनाने की बात कही। हैदराबाद और कश्मीर के विलय में भी उनकी भूमिका महत्वपूर्ण रही। उन्होंने मजबूत विपक्ष और राज्य पुनर्गठन आयोग को अवधारणा दी।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेगा" का नारा दिया। कश्मीर में परमिट व्यवस्था के विरोध में प्रवेश करते समय वे शहीद हुए। उन्होंने सभी से बलराज मधोक की पुस्तक "डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जीः ए बायोग्राफी" पढ़ने का आग्रह किया।

प्रबुद्ध परिषद के प्रांत संयोजक अतुल नागले ने कहा कि विदेशी प्रभाव से बने झूठे विमर्शों का खंडन कर तथ्यात्मक विमर्श स्थापित करना जरूरी है। डॉ. ज्योति धारकर ने कहा कि 33 वर्ष की आयु में कुलपति बनने वाले डॉ. मुखर्जी ने कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्राण दिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. हंसा शुक्ला ने कहा कि शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी है। हमें ऐसे महापुरुषों के योगदान को युवाओं तक पहुंचाना चाहिए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती प्रणति राव ने किया। अंत में ग्रामोदय की सचिव श्रीमती सुमन कन्नौजे ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह की मासिक संगोष्ठियां आगे भी आयोजित की जाएंगी

"प्रकृति का ख्याल रखें, आपदा के लिए तैयार रहें"

अभियान के तहत पावर कंपनी में जागरूकता कार्यक्रम, अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया गया मानसिक संतुलन और आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग द्वारा "प्रकृति का ख्याल रखें, आपदा के लिए तैयार रहें" अभियान के अंतर्गत सोमवार को सेवा भवन में विशेष जागरूकता एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी संस्था की बीके माधुरी दीदी ने पर्यावरण संरक्षण, आपदा पूर्व तैयारी, मानसिक संतुलन एवं आध्यात्मिक सशक्तिकरण विषय पर मार्गदर्शन दिया।

इस अवसर पर ट्रांसमिशन

कंपनी के प्रबंध निदेशक आरके शुक्ला ने कहा कि बिजली क्षेत्र में आपदा और संकट की स्थितियां हमेशा बनी रहती हैं। ऐसे समय में तनाव को नियंत्रित कर कार्य करना आवश्यक है। आज के सत्र में आपदा के समय संयमित होकर काम करने के गुर सिखाए गए, जो कर्मचारियों के लिए अत्यंत उपयोगी रहे। दूसरी वक्ता भावना दीदी ने प्रेरक प्रसंगों और मनोवैज्ञानिक गतिविधियों के माध्यम से बताया कि आपदा के समय घबराहट के बजाय शांत मन, सकारात्मक सोच और संयम से ही संकट से निपटा जा सकता है।

आयोजकों ने बताया कि यह अभियान छह चरणों में चलाया जा रहा है। प्रथम चरण पानीपत से जम्मू, द्वितीय चरण माउंट आबू से महाराष्ट्र और तृतीय चरण रायपुर से जबलपुर तक आयोजित किया जा रहा है। इसी क्रम में रायपुर में यह कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम के अंत में वक्ताओं ने उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों को पर्यावरण संरक्षण का संकल्प दिलाया। इस अवसर पर मुख्य अभियंता मानव संसाधन श्रीमती रश्मि वर्मा, मुख्य अभियंता श्रीमती शारदा सोनवानी एवं अतिरिक्त मुख्य अभियंता भूषण लाल वर्मा उपस्थित थे।

संपादकीय

छोटी हार कई बार बड़ी जीत की भूमिका होती है

राजनीति में बड़े नेताओं के बड़े समर्थक होते हैं .वह चाहते हैं कि हमारा नेता को हमेशा जीतना चाहिए। उसे किसी के सामने झुकना नही चाहिए।उसे ऐसा कोई काम नहीं करना चाहिए कि ऐसा लगे कि वह किसी के सामने झुक गया है। उसके किसी काम से ऐसा नहीं लगना चाहिए कि हमारा मजबूत नेता कमजोर साबित हो गया है।कई बार नेता जितना कट्टर नहीं होता है, उसके समर्थक उससे ज्यादा कट्टर होते हैं। नेता का झुकना उसे मंजूर नहीं होता है। नेता का हारना उसे स्वीकार्य नहीं होता है नेता का कमजोर होना उनको पसंद नहीं आता है,उनका नेता ऐसा करता है तो उनको बुरा लगता है, वह उसका खुलकर विरोध करते हैं और कहते हैं उसके बड़े नेता को ऐसा नहीं करना था।पीएम मोदी ऐसे ही बड़े नेता हैं उनके समर्थक उनको कमजोर होते, किसी के सामने झुकते नहीं देख सकते। यही वजह है कि शिक्षामंत्री के इस्तीफा मामले में वह चाहते थे कि पीएम मोदी इस्तीफा न लें।आंदोलन करने वालों को आंदोलन करने दें, आंदोलनकारियों से सख्ती से निबटें।राजनीति में अहंकार कोई मायने नहीं रखता है।कई बार बड़ी जीत के लिए छोटी हार स्वीकार करनी पड़ती है।कई बार बड़ी जीत के लिए छोटी हार जरूरी होती है,इसलिए जो दूरदर्शी नेता होता है वह जानता है कि छोटी हार के बाद बड़ी जीत है तो उसके छोटी हार कोई मायने नहीं रखती है, उसके लिए बड़ी जीत जरूरी होती है और वह वही करता है जिससे उसको और उसकी पार्टी को ज्यादा फायदा होता है।

राहुल गांधी सहित विपक्ष तो चाहते थे कि दिल्ली के जंतर मंतर में युवाओं को जो आंदोलन चल रहा है, वह जितना लंबा चल सकता है चलना चाहिए।इससे देश में एक धारणा तो बनती है कि देश का युवा मोदी सरकार से नाराज है। राहुल गांधी यही तो चाहते हैं कि देश के लोगों, देश के युवाओं में सरकार की असफलता को लेकर जो नाराजगी है, वह सामने आनी चाहिए। उनके किए धरे तो ऐसा हो नहीं पा रहा था लेकिन जब सीजेपी के नेताओं ने अपना आंदोलन शुरू किया तो देश के सामने लोगों का गुस्सा सामने आने लगा।इससे देश में धारणा बन रही थी कि लोग मोदी सरकार से बहुत नाराज है विपक्ष इस आंदोलन के जरिए यह बताना चाहता था कि मोदी सरकार असफल है और उसे लेकर लोगों में गुस्सा है और लोगों को इस बात के लिए तैयार किया जा सकता है कि वह मोदी सरकार को सत्ता से हटाए। लेकिन सीजेपी वह नहीं चाहता तो जो विपक्ष चाहता था, वह मोदी सरकार के खिलाफ दिखते हुए भी मोदी सरकार के खिलाफ नहीं था, वह तो अपने आंदोलन को सफल बनाना चाहता था, वह जानता था कि वह नीट पेपर लीक मामले में मोदी का इस्तीफा मांगेगा तो उनका सफल नहीं हो सकता क्योंकि इसके लिए मोदी तो कभी भी तैयार नहीं होंगे।इसलिए विपक्ष की इच्छा के खिलाफ सीजेपी ने आंदोलन का लक्ष्य शिक्षामंत्री के इस्तीफे तक सीमित रखा और युवाओं को प्रभावित करने के लिए एक यह मांग की जिन युवाओं ने नीट के चलते जान दी है, उनके परिवार को सरकार एक-एक करोड रुपए मुआवजा दे।

सीजेपी की यह मांगें ऐसी थी कि सरकार आसानी से पूरा कर सकती थी। कुछ दिन बाद विपक्ष भी यही मांग करने लगा ताकि युवा आंदोलन सफल हो तो उसका श्रेय विपक्ष को भी मिले। सीजेपी और विपक्ष की मांग एक हो जाने यानी शिक्षामंत्री का इस्तीफा हो जाने पर सरकार के लिए दोनों की मांग को पूरा करना आसान हो गया और एक बार में ही दोनों की मांग को पूरा करना संभव हुआ।सरकार ने एक दिन दोनों की मांग को पूरा कर दिया यानी शिक्षामंत्री से कह दिया गया कि वह अब इस्तीफा दे दें ।शिक्षामंत्री के इस्तीफे के बाद सीजेपी व कांग्रेस सहित विपक्ष की मांग एक साथ पूरी हो गई है ।इससे सड़क पर जो अराजकता फैलाई जा रही थी, वह बंद हो गई है और संसद के भीतर जो हंगामा कर संसद नहीं चलने दी जा रही थी, उस पर रोक लगने की संभावना बन गई है।

मोदी सरकार जानती थी कि संसद के बाहर सड़क पर जो अराजकता चल रही है, वह जब तक बंद नहीं होगी तो संसद के भीतर जो हंगामा हो रहा है वह भी नहीं रुकने वाला है ।युवाओं के नाम पर संसद में हंगामा होता रहेगा ।मोदी सरकार के लिए सड़क की अराजकता से ज्यादा जरूरी संसद चलना था क्योंकि युवाओं की समस्या का समाधान तो संसद में हो सकता है,वह पेपर लीक रोकने के लिए जो कानून लाना चाहती है, वह तो संसद के जरिए ही लाया जा सकता है ।शिक्षामंत्री का इस्तीफा मोदी सरकार ने लिया है तो संसद चलाने के लिए लिया है ।मोदी सरकार के लिए शिक्षामंत्री का इस्तीफा हार है तो छोटी हार है ।मोदी सरकार यह छोटी हार इसलिए स्वीकार कर ली है कि उसके लिए संसद मे बड़ी जीत इसको स्वीकार करने पर ही मिल सकती है । इसलिए कहा जा सकता है कि छोटी हार मोदी सरकार की बड़ी जीत की भूमिका है।

संसद में पेपर लीक रोकने कानून पारित होने पर सरकार युवाओं को यह संदेश देने मे सफल होगी कि विपक्ष तो आपके लिए सिफ हंगामा करता है, अराजकता फैलाता है लेकिन सरकार तो वह कर रही है जो आप चाहते हैं यानी देश में अब पेपर लीक न होने देना। पेपर लीक के लिए हंगामा करने से बड़ा काम तो पेपर लीक न होने देने के लिए व्यवस्था बनाना है। इसके बाद संसद चलने पर ही तो वह सारे विधेयक संसद में पेश कर पारित किए जा सकते हैं जिसके लिए संसद सत्र बुलाया गया है ।युवाओं का आंदोलन समाप्त होने से संसद के सुचारू चलने का रास्ता साफ हो गया है ।शिक्षामंत्री के इस्तीफे के मेन मकसद यही था कि संसद चलने का रास्ता साफ हो और सरकार वह सब विधेयक संसद से पारित करा सके जिनके पारित होने से सरकार को बडी.जीत मिल सकती है। अब तक हारी हुई सरकार सारे विधेयक पारित हो जाते है तो संसद सत्र के बाद विजयी सरकार दिखेगी क्योंकि वह देश व युवाओं के लिए काम करने वाली सरकार साबित होगी।

कारगिल विजय दिवस : शौर्य, त्याग और राष्ट्रधर्म का अमर संदेश

वीरों की गाथा, जो हर भारतीय को कर्तव्यपथ पर चलने की प्रेरणा देती है

सत्य भूषण शर्मा

भारत के स्वर्णिम इतिहास में 26 जुलाई केवल एक तिथि नहीं, बल्कि राष्ट्रगौरव, अदम्य साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान का अमर प्रतीक है। वर्ष 1999 में इसी दिन भारतीय सेना ने कारगिल की दुर्गम, बर्फीली और चुनौतीपूर्ण पर्वत चोटियों पर विजय प्राप्त कर यह सिद्ध कर दिया कि भारत की सीमाओं की ओर उठने वाली हर कुदृष्टि का उत्तर हमारे वीर सैनिक अपने अदम्य पराक्रम से देना जानते हैं। इसलिए कारगिल विजय दिवस केवल एक सैन्य विजय का उत्सव नहीं, बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए राष्ट्रभक्ति, कर्तव्यनिष्ठा और आत्मसम्मान का प्रेरणादायी पर्व है।

कारगिल युद्ध आधुनिक भारत के इतिहास का ऐसा अध्याय है, जिसने पूरी दुनिया को भारतीय सेना के अद्वितीय साहस से परिचित कराया। दुश्मन ने छलपूर्वक भारतीय सीमा में घुसपैठ कर सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण चोटियों पर कब्जा करने का प्रयास किया। समुद्र तल से लगभग 18 हजार फीट की ऊँचाई, जमा देने वाली ठंड, ऑक्सीजन की कमी और लगातार हो रही गोलाबारी जैसी विषम परिस्थितियों में भी भारतीय सैनिकों का मनोबल तनिक भी नहीं डिगा। उन्होंने कठिन से कठिन परिस्थितियों को परास्त करते हुए तिरंगे की शान को अक्षुण्ण रखा।

कारगिल विजय हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र की रक्षा केवल हथियारों से नहीं, बल्कि अटूट विश्वास, अनुशासन, समर्पण और मातृभूमि के प्रति अगाध प्रेम से होती है। भारतीय सैनिकों ने अपने परिवार, सुख-सुविधाओं और निजी जीवन से ऊपर राष्ट्रहित को रखा। अनेक वीर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति देकर यह संदेश दिया कि देश सर्वोपरि है।

कैप्टन विक्रम बत्रा का अमर उद्घोष— ये दिल माँगे मोर— आज भी प्रत्येक भारतीय के भीतर देशभक्ति की नई ऊर्जा का संचार करता है। लेफ्टिनेंट मनोज कुमार पांडेय, ग्रेनेडियर योगेन्द्र सिंह यादव, राइफलमैन संजय कुमार तथा अनेक अमर वीरों ने अपने अद्वितीय साहस से इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर अपना नाम अंकित किया। उनका जीवन केवल वीरता की कहानी नहीं, बल्कि चरित्र, नेतृत्व, त्याग और राष्ट्रसेवा का अनुपम आदर्श है। आज जब युवा पीढ़ी आधुनिक तकनीक, प्रतिस्पर्धा और वैश्विक अवसरों के बीच अपना भविष्य तलाश रही है, तब कारगिल के वीरों का जीवन उन्हें यह सिखाता है कि सफलता का मार्ग केवल प्रतिभा से नहीं, बल्कि अनुशासन, दृढ़ निश्चय और निरंतर परिश्रम से प्रशस्त होता है। यदि हमारे युवा अपने जीवन में राष्ट्रप्रेम, ईमानदारी, कर्तव्यपरायणता और सामाजिक उत्तरदायित्व को स्थान दें, तो भारत का भविष्य और अधिक उज्ज्वल होगा।

कारगिल विजय दिवस हमें यह भी स्मरण कराता है कि राष्ट्र निर्माण केवल सीमाओं पर लड़ने वाले सैनिकों का ही दायित्व नहीं है। प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने कार्य को पूरी निष्ठा और ईमानदारी से करे, राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाए, सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा दे तथा संविधान के आदर्शों का सम्मान करे। जब प्रत्येक नागरिक अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करता है, तभी राष्ट्र भीतर से सशक्त बनता है और सीमाएँ भी सुरक्षित रहती हैं। आज आवश्यकता केवल शहीदों को श्रद्धांजलि देने की नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की है। यदि हम अपने दैनिक जीवन में सत्यनिष्ठा, अनुशासन, सेवा-भाव और राष्ट्रहित को सर्वोच्च स्थान दें, तो यही कारगिल के अमर वीरों के प्रति हमारी सबसे बड़ी श्रद्धांजलि होगी।

आइए, कारगिल विजय दिवस के पावन अवसर पर हम उन सभी ज्ञात-अज्ञात वीर शहीदों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करें, जिन्होंने अपने रक्त से भारत की सीमाओं को सुरक्षित रखा। साथ ही यह संकल्प लें कि हम अपने राष्ट्र की एकता, अखंडता और गौरव की रक्षा के लिए सदैव समर्पित रहेंगे तथा आने वाली पीढ़ियों में भी राष्ट्रभक्ति की ज्योति निरंतर प्रज्वलित करते रहेंगे ।शहीदों का बलिदान कभी व्यर्थ नहीं जाता; उनका जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रकाश-स्तंभ बन जाता है।

सिख धर्म के बारहमाहा में सावन : आध्यात्मिक मिलन और विरह का प्रतीक

रावेल पुष्प

भारतीय साहित्य में बारहमासा एक प्राचीन और लोकप्रिय काव्य-विधा है। संस्कृत, अपभ्रंश, ब्रज, अवधी, राजस्थानी,पंजाबी और अन्य भारतीय भाषाओं में कवियों ने बारह महीनों के माध्यम से प्रकृति, मानवीय भावनाओं तथा प्रेम-विरह का अत्यंत मार्मिक चित्रण किया है। सिख गुरुओं ने इस परंपरा को अपनाते हुए उसे आध्यात्मिक ऊँचाइयों तक पहुँचाया। उन्होंने ऋतु-चक्र को केवल प्रकृति-वर्णन का विषय नहीं बनाया, बल्कि उसे जीवात्मा और परमात्मा के संबंध का रूपक बना दिया।

गुरु ग्रंथ साहिब में दो प्रसिद्ध बारहमाहा रचनाएँ संकलित हैं—पहली श्री गुरु नानक देव जी द्वारा रचित, जो राग तुखारी में है, और दूसरी श्री गुरु अर्जन देव जी द्वारा रचित, जो राग माझ में है। दोनों रचनाएँ सिख दर्शन, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना की अनुपम धरोहर हैं। गुरु नानक देव जी का बारहमाहा यह संदेश देता है कि संसार की प्रत्येक ऋतु तभी सुंदर है, जब मनुष्य का मन परमात्मा के नाम से जुड़ा हो। यदि ईश्वर से संबंध टूट जाए, तो वसंत भी सूना है और सावन भी आनंद नहीं दे सकता। दूसरी ओर गुरु अर्जन देव जी का बारहमाहा विरहिणी आत्मा की तीव्र तड़प और गुरु की कृपा से होने वाले प्रभु-मिलन का अत्यंत भावपूर्ण चित्रण प्रस्तुत करता है।

भारतीय संस्कृति में सावन वर्षा, हरियाली, झूलों, लोकगीतों और प्रेम का महीना माना जाता है। खेत लहलहाते हैं, वृक्षों में नई ऊर्जा भर जाती है, पक्षियों का कलरव वातावरण को जीवंत बना देता है। किंतु सिख गुरुओं ने इस बाहरी उल्लास के भीतर छिपे आध्यात्मिक सत्य की ओर ध्यान आकर्षित किया। गुरु नानक देव जी के अनुसार, यदि मन प्रभु-वियोग में है, तो बाहर की वर्षा मन की प्यास नहीं बुझा सकती। बादल बरसते रहें, धरती हरी हो जाए, परंतु ईश्वर-विमुख हृदय सूखा ही रहता है। सच्चा सावन वह है जिसमें गुरु के उपदेश से आत्मा पर नाम-अमृत की वर्षा हो।

गुरु अर्जन देव जी सावन को विरहिणी आत्मा की उत्कंठा का महीना मानते हैं। चारों ओर प्रकृति का सौंदर्य उसे अपने प्रियतम प्रभु की और अधिक याद दिलाता है। जब तक प्रभु का मिलन नहीं होता, तब तक सावन की हर बूँद विरह की पीड़ा को और गहरा करती है। लेकिन जैसे ही गुरु की कृपा प्राप्त होती है, वही सावन परम आनंद और आत्मिक तृप्ति का प्रतीक बन जाता है। सिख धर्म में प्रकृति ईश्वर की रचना है। इसलिए ऋतुएँ केवल मौसम नहीं, बल्कि आध्यात्मिक शिक्षा की वाहक हैं।सावन मनुष्य को यह स्मरण कराता है कि जिस प्रकार वर्षा से धरती हरी-भरी हो जाती है, उसी प्रकार प्रभु-नाम से मनुष्य का अंतःकरण भी निर्मल और जीवनदायी बन जाता है।

बारहमाहा यह भी सिखाता है कि ईश्वर की प्राप्ति किसी विशेष ऋतु पर निर्भर नहीं है। यदि मन गुरु की शरण में है, तो हर महीना सावन है; और यदि मन अहंकार तथा माया में उलझा है, तो सावन भी सूखा प्रतीत होता है। दोनों बारहमाहा रचनाओं में प्रकृति का अत्यंत सजीव चित्रण मिलता है। बादल, वर्षा, हरियाली, पक्षियों का स्वर, ऋतु-परिवर्तन—ये सभी केवल दृश्य नहीं हैं, बल्कि आत्मा की आंतरिक अवस्थाओं के प्रतीक बन जाते हैं। यही कारण है कि ये रचनाएँ धार्मिक साहित्य के साथ-साथ भारतीय काव्य-परंपरा की उत्कृष्ट उपलब्धियाँ भी मानी जाती हैं। गुरु नानक देव जी की शैली सरल, उपदेशात्मक और चिंतनप्रधान है, जबकि गुरु अर्जन देव जी की शैली अधिक भावात्मक, कोमल और विरह-रस से परिपूर्ण है। दोनों की दृष्टि अंततः एक ही सत्य पर जाकर ठहरती है—गुरु के मार्गदर्शन और प्रभु-नाम के बिना जीवन की कोई ऋतु पूर्ण नहीं हो सकती।

आज के संदर्भ में अगर हम देखें तो आज का मनुष्य भौतिक उपलब्धियों के बावजूद मानसिक तनाव, अकेलेपन और असंतोष से जूझ रहा है। ऐसे समय में बारहमाहा का संदेश पहले से अधिक प्रासंगिक प्रतीत होता है। यह हमें बताता है कि बाहरी सुख तभी सार्थक है, जब भीतर शांति, प्रेम और ईश्वर-स्मरण का प्रकाश हो। सावन की हरियाली हमें केवल प्रकृति का आनंद लेने के लिए नहीं, बल्कि अपने अंतर्मन को भी हरा-भरा बनाने की प्रेरणा देती है। सिख धर्म का बारहमाहा भारतीय आध्यात्मिक साहित्य की अमूल्य निधि है। इसमें बारह महीनों के माध्यम से जीवन, प्रकृति और परमात्मा के गहन संबंध का अद्भुत चित्रण मिलता है। विशेष रूप से सावन का महीना यह संदेश देता है कि वास्तविक वर्षा बादलों की नहीं, बल्कि प्रभु की कृपा और नाम की है। जिस हृदय पर यह वर्षा होती है, उसका जीवन सदैव हराभरा और आनंदमय बना रहता है। यही बारहमाहा की शाश्वत शिक्षा है।

अमृत नाम निधान है मिल पीवहु भाई

अर्थात : ईश्वर का नाम अमृत का भंडार है। उसी का पान करने से आत्मा की प्यास बुझती है। यही सच्ची वर्षा है। यही सच्चा सावन है। बादलों का जल केवल धरती को हरा करता है, जबकि प्रभु-नाम की वर्षा मनुष्य के अंतःकरण को हरा-भरा कर देती है। इसलिए बारहमाहा में सावन केवल ऋतु नहीं, बल्कि आध्यात्मिक जागरण, गुरु-कृपा और परमात्मा से मिलन का प्रतीक बन जाता है।

फील परमार्थ में सेवा कार्य : 'अध्यात्म पथ' की पहल

सेवा से मिली पिता को सच्ची श्रद्धांजलि : स्मृति शेष रामायण तिवारी की स्मृति में बुजुर्गों के बीच पहुँची आत्मीयता की थाली

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

संवेदनाएँ तभी सार्थक होती हैं, जब वे सेवा का रूप धारण कर लें। इसी भाव को साकार करते हुए अध्यात्म पथ परिवार की सदस्य डॉ. अल्पना त्रिपाठी ने अपने पूज्य पिता स्मृति शेष रामायण तिवारी की पावन स्मृति में फील परमार्थम आश्रम में निवासरत निराश्रित बुजुर्गों एवं आश्रितजनों के लिए भोजन सेवा का प्रायोजन किया। इस अवसर पर आचार्य डॉ. अजय आर्य, प्रीति साहू, रिचा श्रीवास्तव, हेमा सक्सेना एवं नमित क्षत्रिय ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए अपने हाथों से बुजुर्गों को भोजन परोसा, उनका कुशलक्षेम जाना तथा आत्मीय संवाद कर उन्हें अपनत्व का एहसास कराया। सेवा के इस भावपूर्ण वातावरण में अनेक बुजुर्गों के चेहरों पर उभरी मुस्कान ने उपस्थित सभी लोगों की आँखों को नम और हृदय को भावविभोर कर दिया।

इस अवसर पर आचार्य डॉ. अजय आर्य ने कहा, "मनुष्य की वास्तविक पहचान उसके पद, प्रतिष्ठा या संपत्ति से नहीं, बल्कि उसके द्वारा किए गए सेवा कार्यों से होती है। अपने पूर्वजों की स्मृति में यदि किसी भूखे को भोजन, किसी असहाय को सहारा और किसी बुजुर्ग को सम्मान मिल जाए, तो वही सबसे पवित्र श्रद्धांजलि है। सेवा केवल हाथों से नहीं, हृदय से की जाती है और हृदय से की गई सेवा ईश्वर तक अवश्य पहुँचती है। समाज में करुणा, संवेदना और अपनत्व का विस्तार ही सच्चे जीवन का उद्देश्य होना चाहिए।"

भावुक होते हुए डॉ. अल्पना त्रिपाठी ने कहा, "आज अपने पूज्य पिताजी की स्मृति में फील परमार्थम में सेवा करने का सौभाग्य मिला। बुजुर्गों के बीच बैठकर उन्हें भोजन कराना मेरे लिए अत्यंत भावुक और आत्मिक अनुभव रहा। ऐसा लगा मानो पिताजी का स्नेह और आशीर्वाद इन्हीं मुस्कुराते चेहरों के माध्यम से प्राप्त हो रहा हो। यहां सेवा कार्य करके जो आत्मिक संतुष्टि मिली, वह जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है। फील परमार्थम द्वारा निराश्रित बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए किया जा रहा सेवा कार्य वास्तव में समाज के लिए अनुकरणीय है।" हेमा सक्सेना ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, "आज महसूस हुआ कि सेवा केवल सहयोग देना नहीं, बल्कि किसी के जीवन में अपनापन पहुँचाना है। बुजुर्गों के चेहरे पर संतोष और स्नेह की मुस्कान देखकर मन भीतर तक तृप्त हो गया। ऐसा आत्मिक सुख शायद किसी और माध्यम से प्राप्त नहीं हो सकता।"

नमित क्षत्रिय ने कहा, "आज का यह सेवा अनुभव मेरे जीवन की अमूल्य स्मृतियों में शामिल हो गया। जब बुजुर्गों ने आत्मीयता से आशीर्वाद दिया, तब यह अनुभूति हुई कि सेवा का प्रतिफल धन नहीं, बल्कि हृदय की शांति और आत्मिक आनंद है। ऐसे कार्य समाज में संवेदनाओं को जीवित रखते हैं और प्रत्येक युवा को समय निकालकर इस प्रकार की सेवाओं से जुड़ना चाहिए।"

फील परमार्थम के संचालक अमित राज ने जानकारी देते हुए बताया कि संस्था निराश्रित बुजुर्गों एवं मानसिक रूप से कमजोर आश्रितजनों की सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि कोई भी व्यक्ति अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, बच्चों की सफलता, माता पिता एवं परिजनों की पुण्यतिथि अथवा स्मृति दिवस जैसे अवसरों पर सेवा का संकल्प लेकर इस अभियान से जुड़ सकता है। संस्था में 11 में चाय सेवा, 21 में दूध सेवा, 31 में नाश्ता सेवा, 71 में भोजन सेवा, 201 में पूरे दिन की भोजन सेवा तथा 1100 में एक समय की आवश्यक औषधि सेवा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ही आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को सम्मानपूर्ण जीवन, स्नेह और आवश्यक सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं तथा प्रत्येक सहयोग उनके जीवन में आशा का नया दीप प्रज्ज्वलित करता है।

अंत में अध्यात्म पथ परिवार ने सभी नागरिकों से भावपूर्ण अपील की कि अपने जन्मदिन, विवाह वर्षगांठ, पारिवारिक उत्सव अथवा अपने माता पिता और पूर्वजों के स्मृति दिवस को केवल औपचारिक आयोजन तक सीमित न रखें। इन अवसरों को सेवा, करुणा और मानवता का पर्व बनाएं। किसी जरूरतमंद को भोजन, दवा, वस्त्र या स्नेह प्रदान कर अपने जीवन को भी सार्थक बनाएं, क्योंकि किसी के चेहरे पर मुस्कान लाने से बड़ा कोई उत्सव नहीं और मानवता की सेवा से बड़ा कोई धर्म नहीं।

सिक्किम हादसा : प्रकृति की चेतावनी या फिर मानवीय लापरवाही?

सुनील कुमार महतो

हाल ही में सिक्किम के समरडुंग, नामची जिले में एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-श्कजलविद्युत परियोजना के निर्माणाधीन टनल (एडीआइटी-3) में हादसा हो गया। मीडिया में उपलब्ध जानकारी के अनुसार 20 जुलाई 2026 को निर्माणाधीन सुरंग के अंदर अचानक मीथेन गैस से जुड़ी घटना (संभावित विस्फोट/दहन) हुई और इसके बाद सुरंग के प्रवेश मार्ग के पास भूस्खलन हुआ, जिससे सुरंग का हिस्सा बंद हो गया और अंदर मौजूद कर्मचारी व अधिकारी फंस गए। बताया जा रहा है कि सुरंग में 40 से अधिक लोग मौजूद थे। इनमें से कुछ लोग समय रहते बाहर निकल आए, लेकिन लगभग 25श्27 लोग अंदर फंस गए। जानकारी अनुसार इनमें एनएचपीसी, ठेकेदार कंपनी और मजदूर शामिल थे।

ताजा उपलब्ध जानकारी के अनुसार(यह आलेख लिखे जाने तक) 20 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं तथा 2 लोग सुरक्षित बाहर निकलने में सफल रहे तथा रिपोर्ट के समय तक 5 लोगों की तलाश जारी थी। प्रारंभिक जांच में माना जा रहा है कि सुरंग में प्राकृतिक रूप से जमा मीथेन गैस को निकालने के प्रयास के दौरान विस्फोट-दहन हुआ, जिससे भूस्खलन हुआ और सुरंग का प्रवेश मार्ग बंद हो गया। हालांकि, अंतिम कारण विस्तृत जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। राहत एवं बचाव कार्य में राज्य पुलिस, एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, सेना, आईटीबीपी, दमकल तथा अन्य विशेषज्ञ एजेंसियों को लगाया गया। इधर, मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने भी घटनास्थल का दौरा कर स्थिति की समीक्षा की है। बहरहाल, यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि भूस्खलन के कारण इस सुरंग के ढह जाने से कई लोगों की मौत हो जाने की घटना ने पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। पहाड़ों की पारिस्थितिकी की अनदेखी कर विकास कितना नुकसानदेह हो सकता है, यह अब कोई छिपी बात नहीं है।

हाल फिलहाल, यहां पाठकों को बताता चलूं कि हमारे देश में भूस्खलन (लैंडस्लाइड) एक गंभीर प्राकृतिक आपदा बनता जा रहा है। मानसून के दौरान हिमालयी और पश्चिमी घाट के राज्यों में इसकी घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। हाल के दिनों में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वोत्तर भारत में भारी वर्षा के कारण कई बड़े भूस्खलन हुए हैं। वास्तव में,अत्यधिक वर्षा और बादल फटना, भारत के हिमालयी क्षेत्र का भूकंपीय दृष्टि से अत्यधिक सक्रिय होना, अनियोजित विकास (पेड़ों की अंधाधुंध कटाई, सड़क, सुरंग, जलविद्युत परियोजनाओं और भवन निर्माण के दौरान वैज्ञानिक मानकों की अनदेखी), विकास के नाम पर पहाड़ों का काटा जाना, जलवायु परिवर्तन (अत्यधिक और अल्प अवधि की वर्षा) भूस्खलन के प्रमुख कारणों में से एक हैं तथा जम्मू-कश्मीर,लद्दाख, हिमाचल प्रदेश,उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम,मेघालय, दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) तथा पश्चिमी घाट (केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्र) हमारे देश में सबसे अधिक भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों में से एक हैं।

गौरतलब है कि भारत का लगभग 12.6% भौगोलिक क्षेत्र भूस्खलन के खतरे वाले क्षेत्र में आता है तथा इस क्रम में इसरो (राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र) ने वर्ष 1998-2022 के दौरान भारत में लगभग 80,000 भूस्खलनों का डेटाबेस तैयार किया है। यहां पाठकों को यह भी बताता चलूं कि राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र,इसरो का एक प्रमुख केंद्र है, जिसका मुख्यालय हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित है।

बहरहाल, भूस्खलन का यह हमारे देश में पहला हादसा नहीं है। उत्तराखंड और तेलंगाना में भी ऐसे हादसे हो चुके हैं, लेकिन उनसे कोई सबक नहीं लिया गया। कहना ग़लत नहीं होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन का खतरा हमेशा बना रहता है। ऐसे में यदि सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन नहीं किया गया, तो यह गंभीर लापरवाही मानी जाएगी। सवाल यह भी उठता है कि बरसात के मौसम में सुरंग निर्माण का काम करते समय आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम पहले से क्यों नहीं किए गए? इस दुर्घटना में जिन श्रमिकों की जान गई, उसकी जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या परियोजना से जुड़े अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कर उनके खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी?

उक्त क्रम में, विशेषज्ञों का मानना है कि पहाड़ों में लगातार निर्माण कार्य(विकास) और पेड़ों की कटाई से जमीन कमजोर हो रही है। इसलिए बारिश के समय भूस्खलन का खतरा बढ़ जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और सिक्किम में कई सुरंगें बन चुकी हैं और कई बन रही हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि निर्माण शुरू करने से पहले पर्यावरण और सुरक्षा से जुड़े जोखिमों का सही आकलन किया जाए। यदि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन हो, तो कई बड़ी दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है। विकास जरूरी है, लेकिन पर्यावरण का ध्यान रखते हुए।

अंत में यही कहूंगा कि विकास मानव जीवन को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक है, लेकिन यदि यह प्रकृति की कीमत पर किया जाए तो इसके गंभीर दुष्परिणाम सामने आते हैं। अंधाधुंध निर्माण, वनों की कटाई और प्राकृतिक संसाधनों के अत्यधिक दोहन से पर्यावरण असंतुलित होता है, जिससे भूस्खलन, बाढ़, सूखा और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याएं बढ़ती हैं। इसलिए विकास और प्रकृति को एक-दूसरे का विरोधी नहीं, बल्कि पूरक मानते हुए ऐसी योजनाएं बनानी चाहिए जो पर्यावरण संरक्षण और मानवीय प्रगति दोनों को साथ लेकर चलें। यही सतत एवं संतुलित विकास का मार्ग है। यदि हम ऐसा कर सके तो कोई दोराय नहीं कि हम पहाड़, प्रकृति और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकें।

प्रख्यात पंडवानी गायिका स्व. तीजन बाई को कीर्तिशेष सम्मान-2026 मरणोपरांत प्रदान

समाज सेविका व अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था की प्रमुख शानू मोहनन ने गनियारी जाकर बहू वेणु देशमुख को किया सम्मानित

गनियारी में स्व. तीजन बाई की बहू वेणु देशमुख को कीर्तिशेष सम्मान-2026 प्रदान करतीं शानू मोहनन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

स्वर्गीय राम मोहनन जी की स्मृति में अखिल भारतीय उत्कृष्ट बहुउद्देशीय संस्था द्वारा दिए जाने वाले कीतिर्शेष सम्मान-2026 से इस वर्ष प्रख्यात पंडवानी गायिका स्वर्गीय डॉ. तीजन बाई को मरणोपरांत सम्मानित किया गया। संस्था की प्रमुख श्रीमती शानू मोहनन ने गनियारी स्थित स्व. तीजन बाई के गृहग्राम जाकर यह सम्मान उनकी बहू वेणु देशमुख को प्रदान किया। इस अवसर पर शाल, श्रीफल, मोती की माला के साथ प्रशस्ति पत्र एवं 10,000 रुपये की नगद राशि भेंट की गई।

कार्यक्रम में निर्णायक मंडल और सलाहकार समिति के सदस्य शिक्षा विद डॉ. हंसा शुक्ला, प्रोफेसर डी.एन. शर्मा एवं वरिष्ठ साहित्यकार प्रदीप भट्टाचार्य* की सहमति से यह सम्मान दिया गया।

प्रशस्ति पत्र का वाचन भिलाई इस्पात संयंत्र के वरिष्ठ प्रबंधक राजीव बी. अस्थाना* ने किया।

अपने संबोधन में श्रीमती शानू मोहनन ने कहा कि स्व. तीजन बाई ने मात्र 12-13 वर्ष की उम्र में चंदखुरी से पंडवानी गायन शुरू कर कापालिक विधा में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने देश-विदेश में छत्तीसगढ़ की संस्कृति का नाम रोशन किया और पद्मश्री, पद्मभूषण एवं पद्मविभूषण जैसे सर्वोच्च सम्मानों से अलंकृत हुई। इस अवसर पर वेणु देशमुख ने स्व. तीजन बाई की विदेश यात्राओं और लोक कला के प्रति समर्पण को याद किया। संगीता अस्थाना ने भी सभा को संबोधित किया।

कार्यक्रम में संस्था से शानू मोहनन, अभिलाषा मिश्रा, विजय लक्ष्मी संधा, संगीता मैडम, राजीव अस्थाना सहित परिवारजन दिलहरण पारधी, सावित्री पारधी, निशा पारधी, मनीषा पारधी, बुधराम ठाकुर, प्रेमा ठाकुर, मीना विश्वकर्मा, आयुष वर्मा, विवान पारधी, जासमीन पारधी और ग्रामवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन अभिलाषा मिश्रा ने किया।

ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स में छत्तीसगढ़ का डंका डिस्ट्रिक्ट CG1 स्वर्णिम देश में पहले स्थान पर

चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस रश्मि अग्रवाल को मिला प्रतिष्ठित "रेनबो क्वीन अवॉर्ड"

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का पल आया है। ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स के स्थापना दिवस 26 जुलाई के अवसर पर आयोजित "फाउंडेशन मंथ" सेवा अभियान में डिस्ट्रिक्ट उज्ञ्वा स्वर्णिम ने राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पूरे देश के 24 डिस्ट्रिक्टों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स द्वारा हर वर्ष जुलाई माह को "फाउंडेशन मंथ" के रूप में मनाया जाता है। इस दौरान देशभर के सभी डिस्ट्रिक्ट स्थायी सेवा परियोजनाएं, जनकल्याणकारी कार्यक्रम, नवाचारपूर्ण गतिविधियां और जीरो बजट सेवा अभियान चलाते हैं। इन कार्यों का राष्ट्रीय स्तर पर मूल्यांकन कर उत्कृष्ट डिस्ट्रिक्ट को सम्मानित किया जाता है।

डिस्ट्रिक्ट उज्ञ्वा स्वर्णिम की इस ऐतिहासिक उपलब्धि का श्रेय चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस रश्मि अग्रवाल के कुशल नेतृत्व को जाता है। उनके मार्गदर्शन में डिस्ट्रिक्ट ने सर्वाधिक स्थायी सेवा परियोजनाएं पूर्ण कर राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान अर्जित किया। इस उपलब्धि के लिए डिस्ट्रिक्ट को राष्ट्रीय सम्मान के साथ ही लीनेस रश्मि अग्रवाल को संगठन का प्रतिष्ठित "रेनबो क्वीन अवॉर्ड" प्रदान किया गया।

क्या है "रेनबो क्वीन अवॉर्ड"

यह ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स का सवीच्च राष्ट्रीय सम्मान है। यह ऐसे नेतृत्वकर्ता को दिया जाता है जिसने सेवा, संगठन, नेतृत्व, नवाचार, महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर अपने डिस्ट्रिक्ट को राष्ट्रीय पहचान दिलाई हो। "रेनबो" यानी इंद्रधनुष के सात रंग विविधता और बहुआयामी सेवा के प्रतीक हैं।

फाउंडेशन मंथ में हुए उल्लेखनीय कार्य

फाउंडेशन मंथ के दौरान डिस्ट्रिक्ट उज्ञ्वा स्वर्णिम के 42 लीनेस क्लबों ने समाज के विभिन्न वर्गों के लिए अनेक स्थायी परियोजनाएं स्थापित कीं। इनमें 14 वाटर कूलर, 10 सार्वजनिक बेंच, 4 एयरपोर्ट चेयर, व्हीलचेयर, पानी की टंकियां, स्कूलों के लिए चेयर-टेबल, वेलकम बोर्ड, ठेला-सब्जी विक्रेताओं के लिए डस्टबिन सहित कई उपयोगी संसाधन शामिल हैं, जिनका लाभ आमजन को वर्षों तक मिलेगा।

इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण, सैनिक सम्मान, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, रक्तदान, पौधारोपण, पोषण अभियान, कौशल विकास, स्वच्छता और जीरो बजट सेवा गतिविधियों के माध्यम से हजारों लोगों तक सेवा पहुंचाई गई।

इस सफलता में कैबिनेट सेक्रेटरी प्रशासन ली विभा भूटानी, कैबिनेट सेक्रेटरी सर्विस ली सीमा यादव, डिस्ट्रिक्ट कोषाध्यक्ष ली निमर्ला ध्रुव, समस्त डिस्ट्रिक्ट पदाधिकारी, रीजन और एरिया ऑफिसर्स तथा 42 क्लबों की अध्यक्षों एवं सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

डिस्ट्रिक्ट की इस उपलब्धि पर प्रदेशभर के लीनेस सदस्यों और सामाजिक संगठनों ने लीनेस रश्मि अग्रवाल एवं उनकी टीम को बधाई दी है। संगठन का मानना है कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ की सेवा संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर नई पहचान दिलाएगा।

सेवा की विरासत: मां से मिली प्रेरणा, बेटी ने रचा राष्ट्रीय कीर्तिमान

छत्तीसगढ़ रत्न डॉ. शिरोमणि माथुर के संस्कारों की छाप बनीं "रेनबो क्वीन" लीनेस रश्मि अग्रवाल

कैलाश जैन बरमेचा / दुर्ग

जब नेतृत्व के साथ संस्कार जुड़ जाएं तो सफलता केवल उपलब्धि नहीं रह जाती, वह प्रेरणा बन जाती है। ऑल इंडिया लीनेस क्लब्स में राष्ट्रीय स्तर पर डिस्ट्रिक्ट CG1 स्वर्णिम को पहला स्थान दिलाकर "रेनबो क्वीन अवॉर्ड" से सम्मानित हुई चार्टर डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट लीनेस रश्मि अग्रवाल की इस सफलता के पीछे उनकी माता छत्तीसगढ़ रत्न डॉ. शिरोमणि माथुर के दिए संस्कारों की बड़ी भूमिका है।

डॉ. शिरोमणि माथुर समाजसेवा, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और मानव कल्याण के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं देश की जानी-मानी हस्ती हैं। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें 200 से अधिक सम्मान और अलंकरण प्राप्त हो चुके हैं। पिछले कई दशकों से वे समाज के वंचित और जरूरतमंद वर्ग के लिए निरंतर कार्य कर रही हैं। उनकी इसी सेवाभावी सोच ने उन्हें जनमानस में एक अलग पहचान दिलाई है।

माँ की इसी प्रेरणा को लीनेस रश्मि अग्रवाल ने अपने जीवन का संकल्प बना लिया। उनके नेतृत्व में डिस्ट्रिक्ट CG1 स्वर्णिम ने शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल, साहित्य, संगीत, पर्यावरण संरक्षण, महिला स्वावलंबन, रक्तदान, पौधारोपण और सामाजिक जागरूकता जैसे अनेक क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर सेवा अभियान चलाए। फाउंडेशन मंथ के दौरान 42 क्लबों के माध्यम से स्थापित की गई स्थायी परियोजनाएं इसका जीवंत उदाहरण हैं। संगठन के साथियों का कहना है कि रश्मि अग्रवाल के व्यक्तित्व में जो सहजता, समर्पण और जनसेवा का भाव दिखता है, वह उन्हें विरासत में मिला है। उनके लिए सेवा केवल दायित्व नहीं, बल्कि जीवन जीने का तरीका है। लीनेस रश्मि अग्रवाल की यह उपलब्धि यह भी साबित करती है कि जब घर की पहली पाठशाला से सेवा और संस्कार मिलें, तो व्यक्ति न सिर्फ अपना नाम रोशन करता है, बल्कि पूरे समाज और प्रदेश का मान भी बढ़ाता है।

डॉ. शिरोमणि माथुर की प्रेरणा और रश्मि अग्रवाल के नेतृत्व का यह संगम आज छत्तीसगढ़ की सेवा संस्कृति को राष्ट्रीय पटल पर नई ऊंचाई दे रहा है।

साप्ताहिक जलसा
स्वयंसिद्धा

छत्तीसगढ़ की अग्रणी महिला संस्था स्वयंसिद्धा-ए मिशन विद ए विजन द्वारा गत 7 वर्षों से प्रत्येक सप्ताह संगीत, साहित्य, संस्कृति, स्वास्थ्य, सिनेमा, फोटोग्राफी, कानूनी सलाह आदि समसामयिक विषयों पर नियमित स्तंभ चलाए जाते हैं जिनमें प्रत्येक मंगलवार परिचर्चा का आयोजन किया जाता है।

अधिकारियों, जिम्मेदारों, नेताओं, मंत्रियों के विचार तो हम हमेशा सुनते हैं लेकिन आम गृहणियां और माताएं समसामयिक विषयों पर क्या सोचती है इस पर हमने कभी बात नहीं की।

जेन जी ने उम्मीद के साथ निराशा भी बढ़ा दी

डॉ. सोनाली चक्रवर्ती ने कहा-जेन जी अपने नए अनोखे स्वरूप में सामने आई।जंतर मंतर पर हुए विरोध प्रदर्शन में उनकी जीत हुई पर वहाँ की तस्वीरें और वीडियो देखकर मन व्यथित हुआ। लोकतंत्र में विरोध अपनी बात रखने का सबसे मजबूत माध्यम है, लेकिन जब उसी मंच से बच्चों के मुंह से अश्लील शब्द निकलें तो यह सोचने पर मजबूर करता है कि हम अपने बच्चों को क्या सिखा रहे हैं। विरोध के साथ अनुशासन और भाषा की मर्यादा जरूरी है। इस आंदोलन के बीच कुछ देश विरोधी तत्वों के शामिल होने की खबरों ने मुद्दे की गंभीरता को कमजोर कर दिया। जब एक जन आंदोलन में ऐसे लोग प्रवेश कर जाते हैं तो जनता का भरोसा टूटता है और असली मांग दब जाती है। यदि पेपर लीक करने वाली दोषी है तो उसे खरीदने वाले उनसे ज्यादा दोषी। ऐसे अभिभावकों को भी ढूंढ के निकालना चाहिए।

एक और बात जिस पर ध्यान देना जरूरी है, वह है देश के सवीच्च पद की गरिमा। देश की जनता द्वारा चुने हुए माननीय प्रधानमंत्री के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग करना न केवल असंसदीय है, बल्कि यह हमारी लोकतांत्रिक संस्कृति के भी खिलाफ है। हम आलोचना कर सकते हैं, सवाल पूछ सकते हैं, लेकिन सम्मान की सीमा नहीं लांघनी चाहिए।

इसी के साथ परीक्षा जैसी राष्ट्रीय प्रक्रिया में हुई चूक अत्यंत गंभीर है। लाखों छात्रों की मेहनत और भविष्य इस पर निर्भर है। सरकार और संबंधित संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऐसी लापरवाही दोबारा न हो और दोषियों पर कड़ी कारर्वाई हो। यही कहा जा सकता है कि विरोध जरूरी है, पर वह मुद्दा आधारित, मर्यादित और राष्ट्रहित को ध्यान में रखकर किया जाए। तभी लोकतंत्र मजबूत होगा।

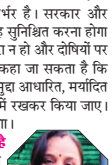

संध्या तिवारी कहती है-जहाँ तक केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की बात हैं तो इससे सिस्टम मजबूत होगा और नया मुद्दा नहीं आएगा इसकी कोई गारंटी नही हैं। ये भी बात सही हैं कि सिस्टम के एक चूक से बच्चों के फ्यूचर दाँव में लग जाते हैं जो कि उनके मानसिक स्वास्थ्य को पूरी तरह से हिला देता हैं। मेरे अनुसार, मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन समाधान का सबसे प्रभावी तरीका संवाद, धैर्य और संवैधानिक प्रक्रिया ही है।"

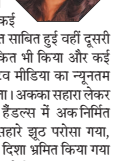

यूथ का गुस्सा बाहर निकला हैं जो जरूरी है परंतु जब भी सिस्टम सही तरीके से काम नहीं करती हैं तो एक नई पार्टी सही मुद्दे में आवाज उठाती हैं और फिर से एक नई पार्टी का गठन होता हैं।क्यूँ नहीं हर पार्टी मिलकर ये कोशिश करे कि देशवासियों की मूलभूत आवश्यकता जैसे एजुकेशन, चिकित्सा, और रोजगार में सिस्टम को मजबूत बनाया जाये ना कि एक दूसरे को आरोप-प्रत्यारोप देकर सिस्टम को खोखला किया जाए। जितनी पार्टी बनेगी उतने मुद्दे तैयार होंगे जो देश के विकास में सबसे बड़े बाधक हैं

जीवन बीमा निगम में कार्यरत रीमा देब कहती है- पेपर लीक को लेकर सरकार के विरोध जंतरमंतर में जो विरोध प्रदर्शन हुआ , ये विरोध प्रदर्शन जहाँ एक तरफ कई मोर्चे पर लोकतंत्र की जीत साबित हुई वहीं दूसरी तरफ लोकतंत्र को कलंकित भी किया और कई प्रश्न छोड़ गए । सेलेक्टिव मीडिया का न्यूनतम स्तर पूरे देश को देखने मिला। अकका सहारा लेकर विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल्स में अक निर्मित चित्र, रील्स, मीम्स के सहारे झूठ परोसा गया, भड़काया गया, उद्देश्य से दिशा भ्रमित किया गया ,इस संवेदनशील मुद्दे को भी विपक्ष द्वारा भुनाया गया और गंदी राजनीति की गई। देश विरोधी गुटों की सक्रियता पूरे देश ने देखा। सबसे हैरान करने वाली बात नीट पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में गंदे व डरावने पोस्टर्स, से लेकर अश्लील वीडियो,भाषा ,बैनर पेपर लीक विरोध प्रदर्शन में देखने मिले जो साफ संदेश दे रही थी कि ये विरोध प्रदर्शन केवल छात्र प्रदर्शन नहीं है इसके पीछे बहुत बड़ा षड्यंत्र अपना काम कर रही है और कई प्रश्न छोड़ गए।

जंतर मंतर छात्र प्रदर्शन ने ये साबित किया कि ताकतवर से ताकतवर सरकार को भी आम जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारो का इस्तेमाल कर अपनी शर्तों को मनवा सकती है। ये छात्र प्रदर्शन आम जानता और खासकर युवा वर्ग में उम्मीद की किरण जगा गई इस संवेदनशील उद्देश्य के लिए यह छात्र प्रदर्शन और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए सख्त परीक्षा बिल व कानून संसद में पेश होना एक लोकतांत्रिक जीत है। भारत के संवैधानिक इतिहास के पन्नो में एक उल्लेखनीय अध्याय के रूप में दर्ज रहेगा ।

महिला उद्यमी वंदना निझावन कहती है - नीट परीक्षा में पेपर लीक जैसी घटनाएँ अत्यंत गंभीर हैं और ऐसे मामलों में शामिल हर दोषी के विरुद्ध कठोर कारर्वाई होनी चाहिए। केवल पेपर लीक कराने वाले ही नहीं, बल्कि उसे खरीदने, इस्तेमाल करने या उससे अनुचित लाभ लेने वाले भी समान रूप से जिम्मेदार हैं। यदि कोई अभ्यर्थी या उसके अभिभावक गलत तरीके से सफलता पाने का प्रयास करते हैं, तो यह ईमानदार छात्रों के साथ अन्याय है और ऐसे लोगों को भी कड़ी सजा मिलनी चाहिए।लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध और अपनी बात रखना हर नागरिक का अधिकार है। लेकिन हिंसा, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुँचाना, अभद्र भाषा का प्रयोग करना या किसी भी सार्वजनिक व्यक्ति का अपमान करना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं माना जा सकता। इससे आंदोलन का उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है और देश की छवि भी प्रभावित होती है।

मेरा मानना है कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार आवश्यक है, लेकिन उसका रास्ता कानून और संविधान के दायरे में रहकर ही होना चाहिए। छात्रों का भविष्य राजनीति का माध्यम नहीं बनना चाहिए। एक सशक्त राष्ट्र वही होता है जहाँ ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता और कानून का सम्मान सवीपरि हो। शिक्षा का उद्देश्य केवल डॉक्टर या इंजीनियर बनाना नहीं, बल्कि अच्छे और जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी है।

सेक्टर 4 निवासी आरती तिवारी कहती हैं- देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा (नीट) के प्रश्न पत्र परीक्षा से पहले लीक होना बड़े पैमाने पर हुई धांधलियों से जुड़ा एक गंभीर विवाद है जिसके कारण देश भर में विशेष कर जंतर-मंतर दिल्ली में छात्रों का भारी विरोध प्रदर्शन हुआ । सरकार तथा परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था (NTA) पर गंभीर सवाल उठे।छात्रों के लगातार प्रदर्शन के आगे सरकार को झुकना पड़ा और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को अपना इस्तीफा देना पड़ा । पेपर लीक मामले में सरकार ने संसद मे कड़ा कानून लाया है जिसमें दस साल की सजा, दस करोड़ रूपए फाइन का प्रावधान रखा गया है ,जिससे ऐसे मामलों की पुनरावृति न हो यह स्वागत योग्य कदम है।

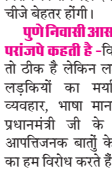

स्मृति नगर निवासी कमल चक्रवर्ती कहती हैं - सोनम वान्गचुक के शांतिपूर्ण प्रोटेस्ट के दौरान ही सरकार को बातचीत का रास्ता खोल देना था ऐसा नहीं हुआ यह तो गलत है । पर विरोधियों का हजारों की संख्या में भीड़ संसद की तरफ बढ़ना भी गलत था। देश की संपत्ति को नुकसान पहुंचाना और गाली गलौच करने को हम विरोध का नाम नहीं दे सकते। आशा करते हैं आगे चीजे बेहतर होंगी।

पुणे निवासी आसावरी परांजपे कहती है -विरोध तो ठीक है लेकिन लड़के लड़कियों का मर्यादित व्यवहार, भाषा माननीय प्रधानमंत्री जी के लिए आपत्तिजनक बातों के उपयोग का हम विरोध करते हैं।

मुंगेली निवासी ज्योति गुप्ता कहती हैं - सिस्टम चूक की वजह से पेपर लीक हुआ।परीक्षा प्रणाली में सुधार के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 26 जुलाई को एक हाई पावर्ड टास्क फोर्स के गठन का ऐलान किया है इंफोसिस के चेयरमैन नंदन नीलेकणी को इसकी कमान सौंपी है पांच विभिन्न क्षेत्र के एक्सपर्ट इसमें शामिल रहेंगे यह सराहनीय कदम है। बस विरोध के इस तरीके से कभी लोकतंत्र आहत ना हो इसका भविष्य में ध्यान दिया जाए

स्मृति नगर निवासी नमिता त्रिपाठी कहती है - विरोध शुरू तो हुआ था शांतिपूर्ण तरीके से लेकिन बाद में बच्चों के द्वारा अश्लील पोस्टर और गाली गलौज ने मन बहुत दुखी किया। इसकी देखादेखी बच्चे आगे भी ऐसी हरकत ना करें और मेहनत पर ज्यादा ध्यान दे इसका प्रयास हम सबको मिलकर करना होगा।

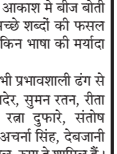

वरिष्ठ शिक्षाविद नीना मेहता कहती हैं -पता नहीं हम कहाँ पर चूक गए कि आने वाली दुनिया की डिजाइन ऐसे बुनी। मुझे लड़कों के मुँह से ही गालियां सुनने से तकलीफ होती है पर अब लड़कियों से घिनौने शब्द सुन कर तो अंदर तक हिल गई हूं।

इन्हें अपनी अगली पीढ़ी की बुनियाद रखनी है तो जरा सतकर्ता और सावधानी चाहिए।ये कहानी एक दिए और तूफान की है।मूल्यों का दिया बुझने ना पाए। शब्द तरंगे आकाश मे बीज बोती हैं।अच्छे शब्द बोयें तो अच्छे शब्दों की फसल होगी। विरोध जरूरी है लेकिन भाषा की मर्यादा भी उतनी ही जरूरी है।

इनके अलावा इन्होंने भी प्रभावशाली ढंग से अपनी बात रखी सीमा लादेर, सुमन रतन, रीता वैष्णव, कमलेश आर्य, रत्ना दुफारे, संतोष लखोटिया, प्रियंका सिंह, अचर्ना सिंह, देबजानी मजूमदार, संगीता जयसवाल, रुमा दे शामिल हैं।

'रणबाली' के लिए विजय देवरकोंडा ने ली सख्त ट्रेनिंग, घुड़सवारी, चाकू और बंदूक चलाना सीखा

एक्टर विजय देवरकोंडा ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' के रोल के लिए अपने करियर की सबसे मुश्किल तैयारी की है। कई महीनों तक अलग-अलग तरह की स्किल्स सीखने के बाद, एक्टर ने जबरदस्त ट्रेनिंग की, ताकि हर एक्शन सीन असली लगे। उनका ट्रांसफॉर्मेशन आम फिटनेस रूटीन से कहीं आगे था। उनकी तैयारी इस तरह से की गई थी ताकि हर सीन स्क्रीन पर असली लगे।

विजय ने ली ट्रेनिंग

इंडिया टुडे ने फिल्म से जुड़े एक सूत्र के हवाले से लिखा 'इस रोल के लिए विजय ने खुद को तैयारी के एक लंबे और मुश्किल प्रोसेस में पूरी तरह झोंक दिया। उन्होंने घुड़सवारी के मुश्किल सेशन किए। साथ ही, उन्होंने हथियार चलाना, फायरआर्म्स का इस्तेमाल करना और घोड़े पर बैठकर नकली गोलीबारी के बीच एक्शन करना भी सीखा।'

चाकू चलाने की ट्रेनिंग ली

सूत्र ने आगे कहा, 'फिल्म के लिए विजय ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया। उन्होंने बॉडीबिल्डिंग की और चाकू से लड़ने की ट्रेनिंग ली। तैयारी का हर पहलू सिर्फ अलग-अलग स्किल्स सिखाने के लिए नहीं, बल्कि विजय को उस किरदार में पूरी तरह ढालने के लिए था, ताकि स्क्रीन पर हर एक्शन सही लगे।'

विजय देवरकोंडा का वर्क फ्रंट

विजय देवरकोंडा की अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' फैंस को उत्साहित कर रही है। यह इस साल 11 सितंबर को रिलीज होने वाली है। राहुल सांकृत्यायन के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में विजय के साथ रश्मिका मंदाना भी लीड रोल में हैं। इसके बाद विजय 'राउडी जनार्दन' में नजर आएंगे।

निहारिका चौकसे ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

टेलीविजन अभिनेत्री निहारिका चौकसे इन दिनों अपने शो 'तुम से तुम तक' को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने इंटरव्यू में टेलीविजन इंडस्ट्री को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। उन्होंने उन लोगों पर सवाल उठाया है जो आज के समय में टीवी को फिल्मों और ओटीटी से कमतर मानते हैं। उनका कहना है कि टीवी कलाकारों के लिए सबसे बड़ा स्कूल है, जहां हर दिन कुछ नया सीखने का मौका मिलता है। निहारिका चौकसे ने कहा, ''मुझे टीवी पर काम करना हमेशा पसंद आता है। अगर कोई मुझसे कहे कि मुझे रोज 14 घंटे काम करना होगा, तब भी मुझे कोई परेशानी नहीं होगी क्योंकि मुझे बिजी रहना अच्छा लगता है। मुझे समझ नहीं आता कि कुछ लोग टेलीविजन को कम क्यों आंकने लगते हैं। मेरे लिए टीवी सबसे बड़ा स्कूल है। यहां कैमरे के सामने अभिनय करना, लंबी-लंबी लाइन्स याद करना और हर परिस्थिति में बेहतर प्रदर्शन करना सीखने को मिलता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''टेलीविजन में काम करना आसान नहीं होता, क्योंकि यहां कलाकारों को बहुत कम समय में अपना बेस्ट देना पड़ता है। टीवी में अगले दिन का एपिसोड प्रसारित होना होता है, इसलिए नई स्क्रिप्ट मिलते ही कलाकारों को तुरंत तैयारी करनी पड़ती है और शूटिंग भी करनी होती है। वेब सीरीज में कलाकारों को वर्कशॉप और तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिलता है, लेकिन टीवी में काम की रफ्तार कहीं ज्यादा तेज होती है। यही वजह है कि टीवी कलाकारों को हर दिन नई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और लगातार मेहनत करनी पड़ती है।''

निहारिका चौकसे ने कहा, 'मनोरंजन जगत अब पहले से बेहतर दिशा में आगे बढ़ रहा है। बदलाव जीवन का सबसे बड़ा सच है और इंडस्ट्री भी समय के साथ बदल रही है। पहले टेलीविजन में महिलाओं पर आधारित कहानियां ज्यादा देखने को मिलती थीं, लेकिन अब फिल्मों में भी महिला कलाकारों को मजबूत और अहम किरदार मिलने लगे हैं। महिला प्रधान फिल्मों का अच्छा प्रदर्शन इस बात का सबूत है कि दर्शकों की सोच बदल रही है और इंडस्ट्री महिलाओं को पहले से ज्यादा अवसर दे रही है।' रियलिटी शोज में आने को लेकर भी निहारिका ने कहा, ''अभी मैं सिर्फ काम करना चाहती हूं। रियलिटी शोज बाद में भी किए जा सकते हैं। सबसे पहले मैं अपना फैन बेस मजबूत करना चाहती हूं, ताकि जब भी किसी रियलिटी शो में हिस्सा लूं, तो जीतने के इरादे से जाऊं।'' उन्होंने कहा, 'मुझे डांस करना बेहद पसंद है, इसलिए 'झलक दिखला जा' मेरे पसंदीदा रियलिटी शोज की लिस्ट में शामिल है। वहीं, 'खतरों के खिलाड़ी' में हिस्सा लेने की इच्छा भी है, लेकिन उससे पहले मैं अपने डर पर काबू पाना चाहती हूं।'

मुझे खुद पर शक था...
सलमान खान ने बढ़ाया उनका हौसला

रोमानिया की मॉडल, सिंगर और एक्ट्रेस यूलिया वंतूर आज भारतीय मनोरंजन जगत में जाना-पहचाना नाम हैं। हालांकि, भारत में उनकी पहचान अक्सर सलमान खान के साथ जुड़ी खबरों से भी होती रही है, लेकिन यूलिया की अपनी एक अलग कहानी है। एक समय ऐसा भी था, जब उन्हें खुद अपनी आवाज और हिंदी में गाने को लेकर भरोसा नहीं था। उस दौर में सलमान खान ने उनकी क्षमता पर भरोसा जताया और उन्हें आगे बढ़ने के लिए हौसला दिया। यूलिया ने खुद कई इंटरव्यू में बताया है कि सलमान के भरोसे ने उन्हें अपने टैलेंट को पहचानने में मदद की। यूलिया वंतूर का बचपन से ही उनका झुकाव ग्लैमर और मीडिया की दुनिया की तरफ था। उन्होंने महज 15 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी और धीरे-धीरे रोमानिया में अपनी पहचान बनाई। उन्होंने न्यूज एंकर के तौर पर भी काम किया। टीवी में उनके काम के लिए उन्हें कई सम्मान और पुरस्कार भी मिले।

भारत आने के बाद यूलिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती नई भाषा और नई इंडस्ट्री थी। शुरुआत में लोग उन्हें सलमान खान से जुड़ी शख्सियत के तौर पर ज्यादा जानने लगे थे। यूलिया और सलमान खान की मुलाकात साल 2010 में डबलिन में हुई थी, जहां सलमान अपनी फिल्म 'बॉडीगार्ड' की शूटिंग कर रहे थे। इसके बाद दोनों की दोस्ती की चर्चा होने लगी। यूलिया ने एक इंटरव्यू में बताया था कि उनके लिए सिंगिंग में कदम रखना आसान नहीं था। उन्हें हिंदी में गाने को लेकर खुद पर विश्वास नहीं था। लेकिन, सलमान ने उनकी आवाज और मेहनत पर भरोसा किया। सलमान खान ने यूलिया को गाने के लिए प्रेरित किया और उनका आत्मविश्वास बढ़ाया। इसके बाद यूलिया ने उनकी फिल्म 'राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई' के गने 'सीटीमार' में अपनी आवाज दी। इसके अलावा, उन्होंने कई अन्य म्यूजिक प्रोजेक्ट्स में भी काम किया और सिंगर के तौर पर अपनी पहचान बनाई। यूलिया ने अभिनय की दुनिया में भी कदम रखा। वह शॉर्ट फिल्म 'इकोज ऑफ अस' में नजर आईं।

रामायण में रावण का किरदार निभाने पर रॉकिंग स्टार यश ने की बात

मुंबई फिल्म 'रामायण' को लेकर लोगों का उत्साह बढ़ता जा रहा है। इस बीच, फिल्म में काम करने के साथ-साथ अपने बैनर 'मॉनस्टर माइंड क्रिएशंस' के तहत इसे प्रोड्यूस कर रहे अभिनेता यश कॉमिक-कॉन इवेंट में अपनी टीम के साथ पहुंचे। मीडिया से बातचीत के दौरान, फिल्म में रावण का किरदार निभा रहे यश ने इस रोल की गहराइयों, रामायण के विचारों और आज के समय में भी इसकी सीख क्यों जरूरी है, इस पर खुलकर बात की।

रामायण पर अपने विचार रखते हुए यश ने कहा, 'किसी भी कहानी को बताने के लिए आपको अच्छाई और बुराई, सही और गलत दोनों की जरूरत होती है। उनके मुताबिक, रामायण भगवान राम और रावण के बिल्कुल अलग रास्तों और सफर की कहानी है। इस अंतर को समझाते हुए यश ने कहा, 'भगवान राम राजा के रूप में जन्मे थे, लेकिन उनके सामने ऐसी स्थितियां आईं जहां उन्हें सब कुछ खोना पड़ा। फिर अपने अच्छे व्यवहार और सही कामों के दम पर उन्होंने अपनी ताकत वापस हासिल की। दूसरी तरफ, रावण ने बिल्कुल शुरुआत से सफर शुरू किया और बहुत ताकतवर बना। लेकिन कभी-कभी जैसा कहा जाता है, जब आप किसी राक्षस से लड़ते हैं, तो आप खुद उससे भी बड़े राक्षस बन जाते हैं। इस बात को लेकर बहुत सावधान रहने की जरूरत होती है।' यश के मुताबिक, यही अंतर इस कहानी को हर दौर के लिए खास बनाता है। जहां भगवान राम ने अपने संस्कारों और सही कामों से सब कुछ वापस पाया, वहीं रावण का सफर यह याद दिलाता है कि कैसे ताकत जब बदले और अहंकार से भर जाती है, तो विनाश की ओर ले जाती है।

रावण के बारे में बात करते हुए यश ने कहा कि यह किरदार सिर्फ एक साधारण विलेन (खलनायक) से कहीं ज्यादा गहरा है। उन्होंने कहा, 'वह कई कलाओं का ज्ञानी था।' यश ने आगे जोड़ा कि अपार ज्ञान और क्षमताओं के बावजूद रावण आखिरकार 'अपनी ताकत पर काबू नहीं रख पाया।' यश के अनुसार, यही विरोधाभास उन्हें पौराणिक कथाओं का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। यश ने यह भी बताया कि रामायण से उनका रिश्ता बचपन से है। उन्होंने बताया, 'शायद यह पहली कहानी थी जो मैंने सुनी थी। मेरे दादाजी मुझे ये कहानियां सुनाया करते थे और आप अपने दिमाग में उनकी एक अलग दुनिया बना लेते हैं।' रोल की तैयारियों पर बात करते हुए यश ने कहा कि उनका ध्यान रावण को नए सिरे से गढ़ने पर नहीं, बल्कि उसकी सोच को समझने पर था। उन्होंने खुद से पूछा, 'एक एक्टर के तौर पर आप इसमें नया क्या ला रहे हैं? इस किरदार के बारे में आपकी अपनी क्या समझ है?' निर्देशक नितेश तिवारी और लेखकों की सोच की तारीफ करते हुए यश ने कहा, 'मैं यह समझना चाहता था कि रावण ने जो कुछ भी किया, उसके पीछे उसकी क्या वजह थी। मेरे लिए उसके कामों के पीछे की मंशा को समझना बाकी किसी भी चीज से ज्यादा जरूरी था।'

अब लोग हर छोटी चीज पर आहत हो जाते हैं, कॉमेडी पर काफी बंदिशें लग गई हैं

एक्टिंग, कॉमेडी, डांस, डबिंग, होस्टिंग, कोरियोग्राफी और सिंगिंग जैसी मनोरंजन की अलग-अलग विधाओं को एक साथ साधने वाले जावेद जाफरी जैसे कलाकार बॉलीवुड में विरले ही हैं। इसके बावजूद, इंडस्ट्री में 40 साल से सक्रिय जावेद जाफरी मानते हैं कि ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित न होने के चलते वह बहुत कुछ ऐसा नहीं कर पाए, जो कर सकते थे।

बकौल जावेद जाफरी, 'मैं जो भी चीजें कीं, वो बस खुद-ब-खुद होती गईं। मैंने प्लान करके कुछ नहीं किया। मेरी दिक्कत ही यही है कि मैं जिंदगी में ऑर्गनाइज्ड यानी व्यवस्थित नहीं हूं। अगर व्यवस्थित होता तो बहुत कुछ कर लिया होता। मैंने डायरेक्टर के तौर पर एक फिल्म बना ली होती। मैंने रैप की एल्बम निकाल ली होती। 1985 में मैंने फिल्म 'मेरी जंग' में 'बोल बेबी बोल' गाने के बीच में रैप किया था। तब रैप का एल्बम निकालने का आइडिया भी आया था, तब बाबा सहगल भी नहीं आया था, लेकिन वही है कि मैं ऑर्गनाइज्ड नहीं हूं। मुझे कोई ऐसा चाहिए जो मुझे ऑर्गनाइज करे। हालांकि, फिल्म डायरेक्ट करने की ख्वाहिश अब भी है। वो मैं करूंगा।'

कॉमेडी पर बहुत बंदिशें लग चुकी हैं

इन दिनों अपनी फिल्म 'धमाल 4' से चर्चा बटोर रहे जावेद जाफरी का कॉमेडी से गहरा नाता रहा है। आजकल कॉमेडी का स्तर गिरने के सवाल पर वह कहते हैं, 'मैं ये तो नहीं कहूंगा कि स्तर गिर चुका है। अभी माध्यम इतने सारे हो चुके हैं और एंटरटेनमेंट को देखने की आदतें बदल चुकी हैं। खासकर से कोविड के बाद, सोशल मीडिया, यूट्यूब, स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म, इन सारी चीजों ने कई चीजें बदली हैं। उसमें कॉमेडी भी है। कॉमेडी वैसे भी अलग-अलग ऑडियंस पर अलग तरह से असर डालती है। मेरा खुद का अनुभव रहा है कि नॉर्थ ईस्ट के डिब्रूगढ़ के शो में जिस चीज पर ताली बजती है, जिस पर लोग हंसते हैं, वो सैन फ्रैंसिस्को की ऑडियंस से बहुत अलग है। जबकि, मैं वही हिंदी बॉलीवुड शो कर रहा हूं, क्योंकि वहां सेंसिबिलिटी अलग होती है।

लोग बहुत सेंसिटिव हो गए हैं

वैसे, अभी लोग कुछ ज्यादा सेंसिटिव हो गए हैं, खासकर अपने देश में। जैसे, अब हम कुत्ते को कुत्ता नहीं बोल सकते, डॉगी बोलो ! ये क्या मतलब हुआ। मोटी नहीं बोल सकते, गूंगा नहीं बोल सकते, ये नहीं बोल सकते, वो नहीं बोल सकते, कुछ अजीब सी सेंसरशिप कहिए या जो भी कहिए, मगर इतना सेंसिटिव क्यों होना है? 70-80 के दौर में किसी की भावनाएं इन चीजों से आहत नहीं होती थीं। अब कॉमेडी पर बहुत बंदिशें हो गई हैं।'

'धमाल' के मानव को मैंने खुद बनाया

'धमाल' में जावेद जाफरी का निभाया मानव का किरदार काफी पसंद किया गया। वह किरदार को गढ़ने में जावेद जाफरी की भी अहम भूमिका रही। उन्होंने बताया, ''धमाल' मेरी जिंदगी की सबसे मजेदार फिल्म है। मानव का किरदार भी मेरे बहुत करीब है, क्योंकि उसे बनाने में मेरा भी काफी हाथ है कि वो कैसे बोलेगा?, क्या पहनेगा?, कैसे चलेगा? दरअसल, जब मैं फिल्म के लिए हमारे डायरेक्टर इंद्र कुमार जी से मिला तो वह देखकर बोले कि जावेद तू तो स्मार्ट लगता है यार। मैं समझ गया कि वह क्या कहना चाहते हैं तो मैंने कॉस्ट्यूम वालों के साथ तय किया कि उसे डंगरी पहनाते हैं। पोलो नेक की टीशर्ट पहनाते हैं ताकि एक बचपना दिखे, एक मासूमियत दिखे। फिर उन्होंने कहा कि तेरी आवाज बहुत अच्छी है, तो मैंने पूरा बेस हटा दिया। आवाज को पतला कर दिया। एक तुतलाहट ले आया, क्योंकि इस किरदार को कमजोर बनाना था। इसलिए, मैंने अपनी बॉडी लैंग्वेज बदली। थोड़ा झुककर चला। मम्मा विल भी प्राउड ऑफ यू, वाला डायलॉग भी स्क्रिप्ट में नहीं था तो इसे बनाने में बहुत मजा आया।'

बेटे मीजान संग करना फख की बात

जावेद जाफरी पिछले दिनों फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में अपने बेटे मीजान के साथ स्क्रीन शेयर करते दिखे। पिता-बेटे की इस जोड़ी ने साथ में डांस भी किया। इस अनुभव को खास मानने वाले जावेद कहते हैं, 'बेटे के साथ काम करके निश्चित तौर पर फख होता है कि वह इतना बड़ा हो गया है कि अपनी जिंदगी, अपना करियर खुद आगे बढ़ा रहा है। एक पिता के तौर पर निश्चित तौर पर बहुत खुशी होती है।'

औद्योगिक संस्थानों को कलेक्टर यादव का अल्टीमेटम : एक माह में अपनाएं सोलर ऊर्जा

सीएसआर से गांवों के विकास में दें योगदान, हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर ने विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक ली

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए कलेक्टर जितेंद्र यादव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विभिन्न औद्योगिक संस्थानों के प्रतिनिधियों की बैठक ली। उन्होंने सभी उद्योगों को एक माह के भीतर सोलर ऊर्जा अपनाने की दिशा में ठोस कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही सीएसआर के तहत स्थानीय समुदायों के हित में अधिक से अधिक कार्य करने की अपील की।

बैठक में कलेक्टर ने उद्योग प्रतिनिधियों से उनकी बिजली खपत और ऊर्जा जरूरतों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि भविष्य की ऊर्जा आवश्यकताओं को देखते हुए उद्योगों को स्थानीय स्तर पर सौर ऊर्जा से बिजली उत्पादन बढ़ाना चाहिए। इससे ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी और संचालन लागत में भी कमी आएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोलर संयंत्र लगाने में तकनीकी या प्रशासनिक परेशानी आने पर जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा।

कलेक्टर ने कहा कि उद्योग अपने परिसरों, कर्मचारियों के आवासीय क्षेत्रों और अन्य भवनों में रूफटॉप सोलर प्लांट लगाएं तथा वर्चुअल नेट मीटरिंग जैसी सुविधाओं का भी लाभ लें। जिन उद्योगों में पहले से सोलर संयंत्र स्थापित हैं, वे अन्य उद्योगों को भी हरित ऊर्जा अपनाने के लिए प्रेरित करें। बैठक में सीएसआर गतिविधियों पर भी जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि उद्योगों के सबसे बड़े हितधारक आसपास के ग्रामीण और स्थानीय नागरिक हैं। इसलिए सीएसआर के तहत ऐसे कार्य किए जाएं, जिनका सीधा लाभ स्थानीय समुदाय को मिले और उद्योगों व समाज के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो।

उद्योग प्रतिनिधियों ने बैठक में अपने संस्थानों में संचालित सोलर परियोजनाओं, ऊर्जा उत्पादन की वर्तमान स्थिति और भविष्य की योजनाओं की जानकारी दी। कई उद्योगों ने सोलर क्षमता विस्तार और रूफटॉप सोलर परियोजनाओं पर कार्य शुरू करने की बात कही, जबकि कुछ ने सर्वेक्षण पूरा होने के बाद जल्द काम शुरू करने की जानकारी दी। बैठक में अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश शर्मा, सहायक श्रमायुक्त समीर मिश्रा सहित जिले के विभिन्न औद्योगिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

खास खबर

सरस्वती साइकिल योजना से बेटियों की शिक्षा को मिल रही नई रफ्तार : विधायक दीपेश साहू

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा में 253 छात्राओं को मिली नि :शुल्क साइकिल, विद्यालय पहुंचना होगा आसान, शिक्षा के प्रति बढ़ेगा उत्साह

बालिकाओं को शिक्षा से जोड़ने, विद्यालय में उनकी नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से संचालित सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय, बेमेतरा में नि:शुल्क साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक दीपेश साहू शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर पालिका परिषद बेमेतरा के अध्यक्ष विजय सिन्हा ने की। विशेष अतिथि के रूप में युगल देवांगन एवं पार्षद पंचू साहू उपस्थित रहे। वहीं श्रीमती प्रेमलता की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बनाया। इस अवसर पर कक्षा 9वीं में अध्ययनरत 253 पात्र छात्राओं को सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत नि:शुल्क साइकिल वितरित की गई।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू ने कहा कि सरस्वती साइकिल योजना प्रदेश सरकार की ऐसी महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजना है, जिसका उद्देश्य बालिकाओं की शिक्षा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें विद्यालय तक सुगमता से पहुंचने की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाली अनेक छात्राओं को विद्यालय पहुंचने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में साइकिल उनके लिए केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि शिक्षा, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक मजबूत कदम है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने तथा बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। शिक्षित बेटी ही परिवार, समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला होती है। उन्होंने छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए नियमित रूप से विद्यालय आने, मन लगाकर अध्ययन करने तथा अपने माता-पिता, विद्यालय और जिले का नाम रोशन करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भी सरस्वती साइकिल योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह योजना बालिकाओं के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो रही है। इससे छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा मिलने के साथ-साथ शिक्षा के प्रति उनका आत्मविश्वास और उत्साह भी बढ़ता है। साइकिल प्राप्त करने के बाद छात्राओं के चेहरों पर खुशी और उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था की प्राचार्य श्रीमती कविता बाजपेयी के स्वागत उद्बोधन से हुआ। उन्होंने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए योजना की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रमोद ठाकुर ने किया, जबकि अंत में श्रीमती आराधना जोसेफ ने सभी अतिथियों, जनप्रतिनिधियों, पालकों, शिक्षकों एवं उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधिगण, शिक्षक-शिक्षिकाएं, पालकगण तथा बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ और छात्राओं ने शासन की इस महत्वपूर्ण योजना के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की।

तीन राजस्व अधिकारियों के प्रभार में फेरबदल

बेमेतरा। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के आदेशानुसार जिले में प्रशासनिक दृष्टिकोण से राजस्व अधिकारियों के प्रभार में आंशिक परिवर्तन किया गया है। जारी आदेश के तहत तीन अधिकारियों को नवीन पदस्थापना दी गई है। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। जारी आदेश के अनुसार श्रीमती सरिता मड़रिया, जो वर्तमान में तहसीलदार, थानखम्हरिया के पद पर कार्यरत थीं, उन्हें कार्यालय कलेक्टर, जिला बेमेतरा में पदस्थ किया गया है। इसी प्रकार आशुतोष गुप्ता, जो वर्तमान में अधीक्षक, भू-अभिलेख, बेमेतरा के पद पर कार्यरत थे, उन्हें तहसीलदार, थानखम्हरिया पदस्थ किया गया है। साथ ही उन्हें छत्तीसगढ़ कोषालय संहिता के भाग-01 के नियम-125 के अंतर्गत तहसीलदार, थानखम्हरिया के आहरण एवं संवितरण अधिकारी के अधिकार भी प्रदान किए गए हैं। वहीं मोरध्वज साहू, जो वर्तमान में नायब तहसीलदार, थानखम्हरिया के पद पर पदस्थ थे, उन्हें नायब तहसीलदार, देवकर के पद पर स्थानांतरित किया गया है।

आत्मनिर्भर बन रही जिले की ग्राम पंचायतें

ग्राम पंचायत मुसराकला, अछोली और अर्जुनी के घर-घर पहुंची सौर ऊर्जा

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

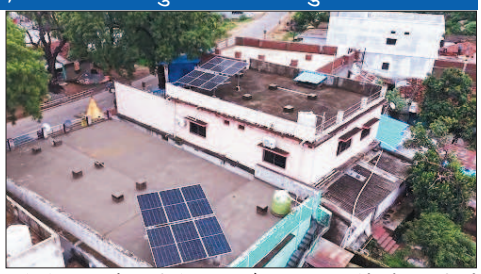

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से राजनांदगांव जिले में स्वच्छ एवं नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के साथ-साथ आम नागरिकों को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है। डोंगरगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मुसराकला, अछोली एवं डोंगरगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत अर्जुनी इस योजना के सफल क्रियान्वयन से आत्मनिर्भरता की प्रेरणादायी मिसाल बनकर उभरी हैं। इन ग्राम पंचायतों में बड़ी संख्या में ग्रामीण रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाकर न केवल अपना बिजली बिल शून्य कर रहे हैं, बल्कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन कर ऊर्जा संरक्षण और आय अर्जित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहे हैं।

डोंगरगढ़ विकासखंड की ग्राम पंचायत मुसराकला में अब तक 29 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। 10 आवेदन स्थापना की प्रक्रिया में हैं तथा 16 नए परिवारों ने भी योजना का लाभ लेने के लिए पंजीयन कराया है। ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती गायत्री टेम्भुरकर ने बताया कि उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायत में ग्राम सभा, पंचायत बैठकों तथा व्यक्तिगत संपर्क के माध्यम से लगातार लोगों को योजना की जानकारी दी जा रही है, जिससे ग्रामीण बड़ी संख्या में योजना से जुड़ रहे हैं। सरपंच श्रीमती गायत्री ने बताया कि वे स्वयं ने माह अप्रैल 2026 में अपने घर पर 3 किलोवॉट क्षमता का सोलर संयंत्र स्थापित कराया। पहले उनके घर का बिजली बिल लगभग 1200 रूपए प्रतिमाह आता था, लेकिन अब बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। उन्होंने बताया कि अतिरिक्त बिजली का उत्पादन भी हो रहा है, जिसका लाभ आगामी समय में मिलेगा।

इसी तरह ग्राम पंचायत अछोली में भी योजना को लेकर लोगों में विशेष उत्साह दिखाई दे रहा है। यहां लगभग 50 घरों में सोलर संयंत्र स्थापित हो चुके हैं तथा 15 से अधिक नागरिकों ने पंजीयन कराया है जो प्रक्रियाधीन हैं। ग्राम पंचायत के सरपंच नंद कुमार साहू ने बताया कि पंचायत स्तर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाकर बिजली विभाग, बैंक तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों को योजना की पूरी जानकारी दी गई, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। उन्होंने बताया कि पहले कई परिवारों का मासिक बिजली बिल 1000 रूपए से 2 हजार रूपए तक आता था, जबकि अब बिजली बिल शून्य होने के साथ-साथ अतिरिक्त बिजली ग्रिड में भेजकर भविष्य में आय प्राप्त करने का अवसर भी मिल रहा है। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीणों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाते हुए आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रही है।

डोंगरगांव विकासखंड की ग्राम पंचायत अर्जुनी में भी लगभग 47 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। गांव में दूर से दिखाई देने वाले सोलर पैनल ग्रामीणों की जागरूकता और बदलती सोच का प्रतीक बन गए हैं। ग्राम पंचायत की सरपंच श्रीमती ललिता साहू ने बताया कि ग्रामीणों को घर-घर जाकर योजना का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसके साथ ही ग्राम सभा और सूर्यसखा आयोजित कर ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है। जिससे ग्रामीण प्रेरित होकर अपने घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाकर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि वे भी स्वयं लगभग 4 माह पूर्व अपने घर पर 3 किलोवॉट क्षमता का सोलर संयंत्र लगाया। पहले उनके घर का बिजली बिल 1800 से 2000 रूपए प्रतिमाह तथा गर्मी के मौसम में 3 हजार रूपए से अधिक तक पहुंच जाता था, जबकि अब बिजली खर्च में उल्लेखनीय कमी आई है।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में सौर ऊर्जा के प्रति विश्वास लगातार बढ़ रहा है। लोग इसे केवल बिजली बचत का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य की आर्थिक सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण का प्रभावी साधन मान रहे हैं। योजना से लाभान्वित परिवार स्वयं अन्य लोगों को प्रेरित कर रहे हैं, जिससे गांवों में सौर ऊर्जा अपनाने का अभियान जनआंदोलन का रूप लेता जा रहा है। जिले में अब तक योजना के अंतर्गत 8 हजार 871 आवेदन प्राप्त हुए हैं। इनमें से 4 हजार 317 हितग्राहियों के घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। 3 हजार 205 हितग्राहियों को शासन की ओर से सब्सिडी का लाभ प्राप्त हो चुका है तथा 1 हजार 155 परिवारों का बिजली बिल पूरी तरह शून्य हो गया है। शेष प्रकरणों में दस्तावेजों का सत्यापन, संयंत्र स्थापना एवं अन्य आवश्यक प्रक्रियाएं तेजी से पूर्ण की जा रही हैं।

राजनांदगांव में जीती कुपोषण के खिलाफ बड़ी जंग, जिले की 299 आंगनबाड़ी केंद्र पूर्णत : कुपोषण मुक्त

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कुपोषण मुक्त राजनांदगांव की दिशा में जिला प्रशासन को एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन तथा पोषण ट्रैकर अभियान के संयुक्त एवं सतत प्रयासों से जिले के 299 आंगनबाड़ी केंद्र पूर्णत: कुपोषण मुक्त हो गए हैं। इसके साथ ही जिले के 1184 आंगनबाड़ी केंद्रों में अब एक भी गंभीर कुपोषित अथवा गंभीर कम वजन श्रेणी के बच्चे नहीं हैं। यह उपलब्धि बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य, पोषण और समन्वित कार्य संस्कृति का उत्कृष्ट उदाहरण बनकर सामने आई है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के मार्गदर्शन में बच्चों के सुपोषण की दिशा में मिशन मोड में कार्य किए गए। कुपोषण के खिलाफ टीमवर्क, जनभागीदारी और सतत प्रयासों के सुखद परिणाम प्राप्त हुए। जिले के प्रत्येक बच्चे को लक्षित करते हुए स्वस्थ, सुपोषित और सुरक्षित भविष्य प्रदान करने के लिए कारगर प्रयास किए जा रहे हैं।

इस सफलता के पीछे विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय, सतत निगरानी और जनसहभागिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गर्भवती एवं शिशुवती माताओं की नियमित काउंसलिंग कर उन्हें संतुलित आहार, स्तनपान एवं शिशु देखभाल के प्रति जागरूक किया गया। पोषु लईका अभियान के तहत घर-घर जाकर बच्चों की ग्रोथ मॉनिटरिंग, नियमित फॉलोअप एवं आवश्यक मार्गदर्शन सुनिश्चित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से टेक होम राशन का नियमित वितरण तथा पोषण शिक्षा प्रदान की गई। स्वास्थ्य विभाग ने बच्चों का नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण एवं आवश्यक उपचार सुनिश्चित किया।

वहीं एनआरएलएम की समूह दीदियों ने रेडी-टू-ईट पोषण आहार तैयार करने, पोषण जागरूकता बढ़ाने और सामुदायिक सहयोग को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया। जिले में वर्तमान में 1514 आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। जिला प्रशासन ने अब शेष मध्यम कुपोषित बच्चों को चिन्हित कर उन्हें सामान्य श्रेणी में लाने के लिए विशेष रणनीति तैयार की है। लक्ष्य है कि 15 अगस्त 2026 तक 350 और आंगनबाड़ी केंद्र तथा 2 अक्टूबर 2026 तक 551 आंगनबाड़ी केंद्र पूर्णत: कुपोषण मुक्त घोषित किए जाएं।

नेकी की दीवार बहा रहा है अपनी बदहाली के आंसू, आखिर कौन लेगा इसकी सुध

नेकी की दीवार को सही प्रबंधन और संरक्षण नहीं मिलने से सिर्फ कागजों तक रह गया सीमित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा में जरूरत की मदद और सहयोग के लिए शुरू की गई नेकी की दीवार आज अपनी बदहाल स्थिति पर आंसू बहा रही है। आपको बता दें कि आज से छः वर्ष पूर्व नगर पालिका परिषद के अधिकारियों, कर्मचारियों व समाज सेवकों द्वारा कोतवाली थाने के अहाते में अनुविभागीय पुलिस अधिकारी कार्यालय के सामने नेकी की दीवार का निर्माण कराया गया था ताकि लोग अपनी पुराने साफ सुथरे कपड़ों और अन्य उपयोगी वस्तुएं वहां दान कर सके और जरूरत मंद लोग बिना किसी कीमत के किसी संकोच के उन्हें वह ले जा सके।

शुरुआत में लोगों ने बढ़-चढ़कर इसमें सहयोग किया, लेकिन बाद में प्रशासन और नागरिकों की उदासीनता के चलते इन स्थानों का सही रखरखाव नहीं हो सका। असुरक्षित और क्षतिग्रस्त ढांचा, देखरेख के अभाव में दीवारों पर की गई पेंटिंग फीकी पड़ चुकी है और कई जगहों पर ढांचे जर्जर हो गए हैं, जिससे यह स्थान वीरान नजर आते हैं। अनुपयोगी वस्तुओं का जमावड़ा कई बार लोग नेकी की दीवार पर कबाड़ या बहुत ज्यादा फटे-पुराने कपड़े छोड़ जाते हैं। जिससे वहां गंदगी और बदबू फैल जाती है। यह जरूरतमंदों के सम्मान के खिलाफ भी होता है। जागरूकता की कमी, समय के साथ लोगों की सक्रियता कम होने से यह नेक पहल दम तोड़ने लगी है और अब यह केवल दिखावे मात्र का हिस्सा बनकर रह गई है।

नेकी की दीवार जैसी खूबसूरत पहल का इस तरह बदहाली के आंसू रोना समाज और प्रशासन, दोनों के लिए एक चिंता का विषय है। इसे फिर से जीवंत करने के लिए नियमित साफ-सफाई, उचित प्रबंधन और नागरिकों की निरंतर भागीदारी की आवश्यकता है। परिणाम स्वरूप नेकी की दीवार का मूल उद्देश्य लगभग खत्म हो चुका है। समाज के जरूरतमंदों को सशक्त बनाने वाली ऐसी सामाजिक योजनाओं को यदि सही प्रबंधन और संरक्षण नहीं मिलता है तो यह कुछ समय बाद सिर्फ कागजों तक सीमित रह जाती है। बेमेतरा में यह स्थिति प्रशासन की लापरवाही और जनसहयोग में आई कमी को उजागर करती है।

रायपुर नगर निगम का बड़ा फैसला, अब मनमाने पोस्टर लगाने पर होगा भारी जुर्माना

नई दृष्टिबिंदु / 00000

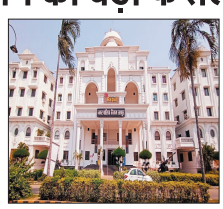

राजधानी रायपुर में अब सार्वजनिक स्थानों पर मनमाने ढंग से पोस्टर, बैनर और फ्लेक्स लगाना महंगा पड़ेगा। रायपुर नगर निगम ने आउटडोर एडवरटाइजमेंट पॉलिसी-2024 के तहत सभी 10 जोनों में पोस्टर लगाने के लिए निशुल्क निर्धारित स्थान तय कर दिए हैं। तय स्थानों के अलावा कहीं भी पोस्टर चिपकाने पर 5 हजार रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

नगर निगम ने शहर में अनधिकृत विज्ञापनों पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान शुरू करने की घोषणा की है। इसके तहत ई-चालान प्रणाली लागू की जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई होगी।

दुकानों पर भी लागू होंगे नए नियम : नई व्यवस्था के तहत दुकानदार अब अपनी दुकान पर केवल प्रतिष्ठान और संचालक का नाम ही प्रदर्शित कर सकेंगे। किसी भी कंपनी, ब्रांड, ऑफर, डिस्काउंट, एलईडी डिस्प्ले या अन्य प्रचार सामग्री लगाने के लिए नगर निगम से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। बिना अनुमति ब्रांडिंग या विज्ञापन सामग्री लगाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठान पर 50 हजार रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

अनधिकृत विज्ञापनों पर तय हुआ जुर्माना : नगर निगम ने विभिन्न प्रकार के अनधिकृत विज्ञापनों के लिए जुर्माने की राशि भी निर्धारित की है। तय स्थान के बाहर पोस्टर या फ्लेक्स लगाने पर 5 हजार रुपये जुर्माना। बिना अनुमति दुकान पर ब्रांडिंग, ऑफर, एलईडी डिस्प्ले या प्रचार सामग्री लगाने पर 50 हजार रुपये तक जुर्माना।

20 करोड़ के विज्ञापन बाजार पर निगम की नजर

नगर निगम अब शहर के विज्ञापन कारोबार को व्यवस्थित करने की दिशा में भी कदम बढ़ा रहा है। अब तक निगम की आय मुख्य रूप से होर्डिंग और यूनीपोल से होती थी, लेकिन नई नीति के तहत दुकानों की ब्रांडिंग, ऑफर बोर्ड, दिशा-सूचक और अन्य आउटडोर विज्ञापनों को भी अनुमति व्यवस्था के दायरे में लाया जा रहा है। पिछले वित्तीय वर्ष में निगम को विज्ञापन शुल्क से 20.05 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था।

निगम ने दी सख्त कार्रवाई की चेतावनी

राजस्व उपायुक्त डॉ. अंजली शर्मा ने कहा कि नई व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाएगा। इसके लिए विज्ञापन एजेंसियों, प्रिंटरों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर नियमों की जानकारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि बिना अनुमति लगाए गए विज्ञापनों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

यह रहा जुर्माना

अनधिकृत होर्डिंग लगाने पर कम से कम 1 लाख रुपये का जुर्माना।
बिना अनुमति बल्क विज्ञापन पर 10 हजार रुपये प्रति आयोजन।
बिना अनुमति हवाई विज्ञापन पर 2 लाख रुपये तक का जुर्माना।

इन स्थानों पर लगा सकेंगे मुफ्त पोस्टर

नगर निगम ने प्रत्येक जोन में पोस्टर लगाने के लिए निशुल्क स्थान निर्धारित किए हैं।
जोन-1: दम्मानी पेट्रोल पंप, गुढ़ियारी पड़ाव, पैराडाइज होटल
जोन-2: एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड
जोन-3: जोन कार्यालय, एक्सप्रेस-वे सर्विस रोड
जोन-4: पुराना धरना स्थल, बूढ़ातालाब
जोन-5: गोल चौक, लाखेनगर, चंगोराभाटा
जोन-6: आईएसबीटी, पौनी पसारी, 100 बिस्तर अस्पताल बाउंड्री
जोन-7: कबीर चौक फ्लाईओवर
जोन-8: पौनी पसारी सब्जी मंडी
जोन-9: मढ़िया तालाब, जोरा, फुंडहर पानी टंकी
जोन-10: जोन कार्यालय, अमलीडीह गौठान

ग्राम पंचायत में आवास चौपाल आयोजित

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत स्वीकृत आवासों की प्रगति की समीक्षा, हितग्राहियों की समस्याओं के समाधान तथा समय-सीमा में आवास निर्माण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सोमवार को जनपद पंचायत साजा अंतर्गत ग्राम पंचायत करलू में आवास चौपाल का आयोजन किया गया।

अधिकारियों ने निर्माणाधीन एवं अपूर्ण प्रधानमंत्री आवासों की विस्तृत समीक्षा करते हुए हितग्राहियों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की और निर्माण कार्य में आ रही समस्याओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने हितग्राहियों को शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवास निर्माण पूर्ण करने के निर्देश देते हुए योजना का लाभ समय पर प्राप्त करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का उद्देश्य प्रत्येक पात्र परिवार को सुरक्षित एवं पक्का आवास उपलब्ध कराना है। इसके लिए हितग्राहियों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। उन्होंने हितग्राहियों को निर्माण कार्य में गुणवत्ता बनाए रखने, तकनीकी मानकों का पालन करने तथा प्राप्त किस्तों का उपयोग केवल आवास निर्माण में करने की समझाइश दी।

आवास चौपाल के दौरान जल संरक्षण एवं भू-जल संवर्धन के महत्व पर भी विशेष रूप से चर्चा की गई। अधिकारियों ने सभी हितग्राहियों को अपने नए आवास परिसर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली एवं सोख्ता (सोख्ता) गड्ढे का निर्माण कराने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि वर्षा जल का संरक्षण भविष्य की जल आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ भू-जल स्तर को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

बीएसपी स्क्रैप चोरी मामला : सुरक्षा में चूक पर सीआईएसएफ के 7 जवान निलंबित

250 टन स्क्रैप-कोक गायब, अब तक 16 गिरफ्तार, जीएम सहित 3 बीएसपी कर्मी भी सस्पेंड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

देश के सबसे बड़े सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्र भिलाई स्टील प्लांट में करोड़ों रुपये के 250 टन लोहे के स्क्रैप और ऑस्ट्रेलियन कोक की चोरी मामले में अब कार्रवाई की आंच सुरक्षा एजेंसी तक पहुंच गई है। सुरक्षा व्यवस्था में गंभीर लापरवाही बरतने के आरोप में सीआईएसएफ के 7 जवानों को निलंबित कर दिया गया है। इनके खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू कर दी गई है।

सीआईएसएफ के निरीक्षक से आरक्षक तक सस्पेंड

CISF अधिकारियों ने सात जवानों के निलंबन की पुष्टि की है। हालांकि कार्रवाई के कारणों पर आधिकारिक टिप्पणी नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार यह कार्रवाई ड्यूटी के दौरान सुरक्षा में चूक और स्क्रैप की अवैध निकासी को रोकने में नाकामी के कारण की गई है। निलंबित जवानों में निरीक्षक, प्रधान आरक्षक और आरक्षक स्तर के कर्मी शामिल हैं। इससे पहले एजेंसी ने मामले को गंभीरता से लेते हुए अपने दो वरिष्ठ अधिकारियों का तबादला भी किया था।

अब तक 16 गिरफ्तार, जीएम भी जेल में

BSP प्रबंधन ने विभागीय जांच के बाद पहले ही तीन कर्मचारियों को निलंबित किया था। इनमें GM हिमांशु भूषण मलिक, इंजीनियर एसोसिएट मनोज कुमार देवांगन और नॉन-एग्जीक्यूटिव कर्मचारी धनंजय वर्मा शामिल हैं।

दुर्ग पुलिस ने GM हिमांशु भूषण मलिक और इंजीनियर मनोज देवांगन को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की जांच में अब तक अधिकारियों, कर्मचारियों, ट्रांसपोर्टरों और सुपरवाइजरों समेत कुल 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

कैसे हुई चोरी? सुरक्षा पर उठे सवाल

जांच में सामने आया है कि सुरक्षा व्यवस्था में इतनी बड़ी चूक हुई कि प्लांट परिसर से बड़ी मात्रा में स्क्रैप और महंगा ऑस्ट्रेलियन कोक आराम से बाहर निकाला जा सका। इसी लापरवाही के आधार पर उक्त्रज्ञ ने संबंधित जवानों पर कार्रवाई की है।

इस घोटाले ने न सिर्फ BSP के अंदरूनी अधिकारियों-कर्मचारियों की भूमिका को संदेह में डाला है, बल्कि देश के महत्वपूर्ण इस्पात संयंत्र की पूरी सुरक्षा और निगरानी प्रणाली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

आगे क्या?

दुर्ग पुलिस, BSP प्रबंधन और CISF तीनों स्तर पर जांच जारी है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ और दस्तावेजों की जांच के बाद आने वाले दिनों में इस मामले में और बड़े खुलासे हो सकते हैं।

BSP प्रबंधन ने कहा है कि दोषियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी और सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।

NREGA में 1.69 करोड़ के घोटाले पर 18 साल बाद किया चालान पेश

बर्खास्त जिला पंचायत सीईओ सहित 8 अधिकारियों के खिलाफ 6000 पन्नों का चालान पेश

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर-रायपुर

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना की सामग्री खरीदी में 1 करोड़ 69 लाख 14 हजार 247 रुपये की आर्थिक अनियमितता के 18 वर्ष पुराने मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की है। ब्यूरो ने रविवार 27 जुलाई 2026 को माननीय विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, कांकेर के न्यायालय में एक बर्खास्त जिला पंचायत सीईओ और सात जनपद पंचायत सीईओ के खिलाफ 6,000 पृष्ठों का चालान प्रस्तुत किया।

मामला वर्ष 2006-07 और 2007-08 से जुड़ा है। आरोप है कि तत्कालीन मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कांकेर के.पी. देवांगन ने जिला स्तर पर केंद्रीयकृत खरीदी की प्रक्रिया अपनाकर फ्लेक्सी बोर्ड, मस्टर रोल, रोजगार गारंटी मार्गदर्शिका सहित अन्य सामग्री की खरीदी में निर्धारित निविदा और क्रय नियमों का उल्लंघन किया। जबकि शासन ने जनपद और ग्राम पंचायतों को स्वतंत्र रूप से खरीदी का अधिकार दिया था। विवेचना में जिला पंचायत कांकेर तथा कांकेर, नरहरपुर, चारामा, अंतागढ़, कोयलीबेड़ा, भानुप्रतापपुर एवं दुगकोंदल जनपद पंचायतों के तत्कालीन सीईओ द्वारा आपसी सांठगांठ से शासकीय राशि का अपव्यय और अमानत में खयानत के साक्ष्य मिले।

जिलेवार अनियमितता:

जिला पंचायत कांकेर - 39.90 लाख, कोयलीबेड़ा - 51.98 लाख, चारामा - 22.92 लाख, नरहरपुर - 20.62 लाख, अंतागढ़ - 19.91 लाख, कांकेर जनपद - 7.55 लाख, भानुप्रतापपुर - 4.51 लाख, दुगकोंदल - 1.72 लाख। प्रकरण में अपराध क्रमांक 31/2008, धारा 120-बी, 409, 420 भादवि एवं धारा 13(1)(सी), 13(1)(डी), 13(2) भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कार्रवाई हुई है।

आरोपियों में केपी देवांगन, राधाकांत कर, गोवर्धन गजबल्ला, परदेशी राम मरकाम, भारत राम नेताम, रामकिशुन ध्रुव, जी.आर. ठाकुर और संवालदास बघेल शामिल हैं। ब्यूरो के अनुसार मुख्य आरोपी केपी देवांगन के खिलाफ भ्रष्टाचार और पद दुरुपयोग के दो अन्य प्रकरण भी पूर्व में दर्ज हैं, जिनमें चालान प्रस्तुत किया जा चुका है।

करंट की चपेट में आया किसान, हादसे में हुई मौत

खैरागढ़। खेत में जोताई करते समयकिसान की करंट के चपेट आ गया जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान बैगा टोला निवासी (43 वर्ष) महेश वर्मा के रूप में हुई है। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, महेश वर्मा (43 वर्ष) मंगलवार को अपने खेत में जोताई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान खेत में स्थित बोरवेल के लिए बिछाई गई बिजली लाइन की चपेट में आने से उन्हें तेज करंट लग गया। करंट लगते ही वे गंभीर रूप से झुलसकर खेत में गिर पड़े। हादसे के बाद मौके पर मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल उन्हें उपचार के लिए खैरागढ़ सिविल अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया।

फर्जी ACB अधिकारी बनकर आबकारी अधिकारी से वसूली की कोशिश

शराब दुकान में गड़बड़ी का दबाव बनाकर शराब और नकदी मांग रहे थे, गांधीनगर पुलिस ने 3 को पकड़ा

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर

खुद को एसीबी अधिकारी बताकर जिला आबकारी अधिकारी से वसूली करने वाले गिरोह का गांधीनगर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर वारदात में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है।

जानकारी के अनुसार तीनों आरोपी जिला आबकारी अधिकारी को फोन कर खुद को अउड का अधिकारी बता रहे थे। उन्होंने शराब दुकान के निरीक्षण में गड़बड़ी की बात कहकर आबकारी अधिकारी पर दबाव बनाना शुरू किया और शराब के साथ नकदी की मांग करने लगे। आबकारी अधिकारी को मामले पर संदेह हुआ तो उन्होंने इसकी सूचना तत्काल गांधीनगर थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की।

गांधीनगर थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई में पुलिस ने सौरभ प्रजापति, राजेश पुरी गोस्वामी और रंजीत गुप्ता को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से वसूली में इस्तेमाल की गई कार भी जब्त की गई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और वसूली की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है। पुलिस यह भी पता कर रही है कि आरोपी पहले भी इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं या नहीं।

GOSWWAMI
FLEX PRINTING
ADVERTIZER
भिलाई में सबसे सस्ता, सबसे अच्छा
Hoardings Flex Banner Vinyl Printing
One Way Vision Glow Sign Board
93290-13334, 74711-15735
goswamiflex@gmail.com
Address - 3rd Floor Shop No-1, Arora Tower, M.C. Market

अर्चना
फ्लाई ऐश ब्रिक्स
निर्माता एवं विक्रेता
हैवी इंडस्ट्रीयल एरिया, भिलाई
8 इंच एवं 9 इंच में उपलब्ध है।
संपर्क करें
9329960605, 9827160605, 9098639991

Baked by Suhani
Premium Homemade Cakes & Desserts
Birthday Cakes
Anniversary Cakes
Custom Theme Cakes
Serving Bhilai & Durg
baked.by.suhani
Suhani Singh
Premium Homemade Cakes & Desserts
Serving Bhilai & Durg
DM for Order
Followed by _s_andeep
Follow Message
Order Now:
@baked.by.suhani
M0.6263734520

10वीं, 12वीं, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पास छात्र-छात्राओं के उज्जवल भविष्य के लिए
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण
नौकरी में सहायक
सत्र 2026-2027 प्रवेश प्रारंभ
निजी कंपनियां जैसे पावर प्लांट, सीमेंट प्लांट, स्टील प्लांट, कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बहुत नौकरियाँ मिलती है।
प्रशिक्षण शुल्क में विशेष छूट
सरकारी मान्यता प्राप्त प्रमाण पत्र दिया जाएगा
फायर एवं सेफ्टी प्रशिक्षण में प्रवेश प्रारंभ

क्र.	पाठ्यक्रम का नाम	क्र.	पाठ्यक्रम का नाम
1.	फायर टेक्नोलॉजी एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	5.	पी. जी. कोर्स व्यावसायिक सेफ्टी, स्वास्थ्य व पर्यावरण मैनेजमेंट सिस्टम
2.	इंडस्ट्रियल सेफ्टी / पी. जी. इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6.	हैल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
3.	बी.एस.सी. इन फायर सेफ्टी	7.	सब- फायर ऑफिसर
4.	पी. जी. कोर्स फायर एवं इंडस्ट्रियल सेफ्टी	8.	सर्टिफिकेट इन फायरमैन-इंडस्ट्रियल सेफ्टी

(An Authorized Training Centre of AEERO)
फायर सेफ्टी एवं डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट
(मान्यता प्राप्त निजी प्रशिक्षण संस्थान)
कैंपस :- इंदिरा गांधी इंग्लिश मीडियम स्कूल, सुपेला, भिलाई, जिला-दुर्ग, छत्तीसगढ़
ADMISSION HELPLINE: 7697212782

BA
BCA
BCom
BBA
BSc
PGDCA
MSc CHEMISTRY
MSc BIOTECHNOLOGY
MSc BOTANY
MSc ZOOLOGY
MSc COMPUTER Sc
MSc MATHS
MA ENGLISH
MCom
BLib
MLib
DCA
MA CHHATTISGARHI
Deepak Advertisers
Affiliated to Hemchand Yadav University, Durg
SAI COLLEGE
Street-69, Sector-6, Bhilai
70248 86996
99770 01027

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100